MUMBAI TARANG TM

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100
Bimal Patel 8401886537
8401376545
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

www.mumbaitarang.com

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-45 ❖ मुंबई ❖ रविवार 31 अक्टूबर से 06 नवंबर 2021 ❖ पृष्ठ-8 | ₹4/-

सामने आए फैशन TV के CEO

काशिफ बोले- वानखेड़े को नहीं जानता; मलिक ने कहा था- दोस्ती के चलते समीर ने काशिफ को नहीं पकड़ा

क्रूज ड्रग्स केस में नवाब मलिक के आरोपों के बाद फैशन टीवी के हेड काशिफ मलिक का बयान सामने आया है। शुक्रवार को काशिफ ने कहा कि उनका इस केस से कोई लेना-देना नहीं है। समीर वानखेड़े के साथ दोस्ती को लेकर काशिफ ने कहा कि मैं उन्हें नहीं जानता, न ही मेरी कभी उनसे बात हुई और न ही मैं कभी उनसे मिला हूं। मुझे लगता है कि नवाब मलिक को गलत जानकारी मिली है।

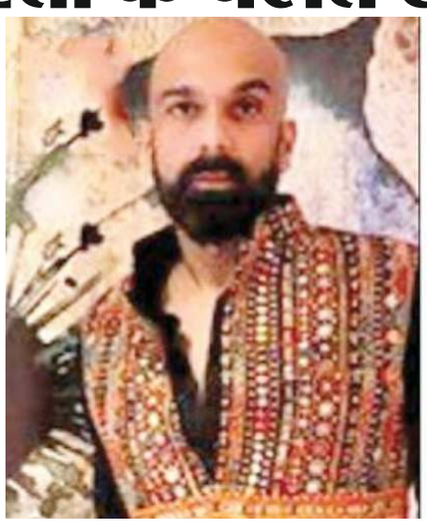

काशिफ के जरिए नवाब मलिक ने NCB को घेरा

क्रूज पर ड्रग्स पार्टी के दौरान काशिफ खान मौजूद था, लेकिन समीर वानखेड़े ने उसे जाने दिया।

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और NCP के नेता नवाब मलिक ने शुक्रवार सुबह दावा किया था कि क्रूज पर हुई पार्टी के दौरान दाढ़ीवाला शख्स फैशन टीवी का इंडिया हेड काशिफ खान था। मलिक ने आरोप लगाए कि काशिफ खान ड्रग पार्टी आयोजित करने के साथ ही पोर्नोग्राफी और सेक्स रैकेट भी चलाता है। इसके बावजूद उसे क्रूज से आराम से जाने दिया गया।

मलिक का आरोप- दोस्ती के चले वानखेड़े ने काशिफ को नहीं पकड़ा

नवाब मलिक ने कहा था कि काशिफ के समीर वानखेड़े से अच्छे संबंध हैं, इसी वजह से उसे नहीं पकड़ा गया। मलिक ने आगे कहा कि NCB को इस बात की जांच करनी चाहिए कि आखिर क्यों समीर वानखेड़े और उनकी टीम ने काशिफ खान को वहां से जाने दिया। इससे पहले की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मलिक ने कहा था कि काशिफ की गर्लफ्रेंड भी क्रूज पर मौजूद थी।

काशिफ का जवाब- पार्टी मैंने नहीं, दिल्ली की कंपनी ने आयोजित की

काशिफ ने कहा कि उन्होंने इस पार्टी का आयोजन नहीं किया था। इसकी आयोजक दिल्ली की एक कंपनी थी। यह जानकारी कहीं से भी चेक की जा सकती है। फैशन टीवी भी इस इवेंट का ऑर्गनाइजर नहीं था। ड्रग और पोर्नोग्राफी के रैकेट चलाने के आरोप पर काशिफ ने कहा कि उन्हें गलत जानकारी है और उन्हें अपने फैक्ट्स को फिर से चेक करना चाहिए। मैं कभी भी किसी ड्रग्स या पोर्नोग्राफी से जुड़ा नहीं रहा हूं।

तिहाड़ जेल में बंद था काशिफ खान

मलिक ने कहा कि वह दाढ़ी वाला अंतरराष्ट्रीय ड्रग माफिया (काशिफ) कभी तिहाड़ जेल में कैद था, लेकिन समीर वानखेड़े ने उस पर कोई कार्रवाई नहीं की और क्रूज से जाने दिया। जबकि दूसरे लोगों को गिरफ्तार किया गया। दाढ़ी वाला ड्रग्स माफिया अपनी महबूबा के साथ क्रूज पर नाच रहा था। इस मामले के CCTV फुटेज नहीं दिए गए हैं। यदि समीर वानखेड़े नहीं देते हैं तो हम वो CCTV मुहैया करवाएंगे। अगर यह सब जांच का हिस्सा नहीं बनता है तो हमें लगेगा कि पूरा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ही भ्रष्ट है।

हाईकोर्ट: मंत्री मलिक व आव्हाड ने सार्वजनिक की थी संवेदनशील जानकारी, रश्मि शुक्ला का दावा

मुंबई। अवैध फोन टैपिंग मामले से जुड़ी संवेदनशील जानकारी को राज्य के मंत्री नवाब मलिक व जितेंद्र अव्हाड ने सार्वजनिक किया है। गुरुवार को आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी ने बांबे हाईकोर्ट में यह दावा किया। उन्होंने कहा कि राज्य के मंत्री नवाब मलिक व जितेंद्र अव्हाड ने मीडिया के सामने फोन टैपिंग से जुड़ी जानकारी को जाहिर किया था। फिर भी राज्य के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख व अन्य के भ्रष्टाचार को उजागर करनेवाली मेरी मुवक्किल (रश्मि शुक्ला) को अनायास निशाना बनाया जा रहा है। शुक्ला ने महाराष्ट्र में बेहद ईमानीदारी व निष्ठा के साथ काम किया है। मेरे मुवक्किल के साथ राज्य सरकार का व्यवहार अशोभनीय है। हाईकोर्ट में शुक्ला की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई चल रही है। शुक्ला ने इस मामले को लेकर दर्ज की गई एफआईआर को रद्द करने की मांग की है। गुरुवार को न्यायमूर्ति नीतिन जामदार व न्यायमूर्ति सारंग कोतवाल की खंडपीठ के सामने सुनवाई के लिए आयी। इस दौरान आईपीएस अधिकारी शुक्ला की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता जेठमलानी ने कहा कि किसी भी दस्तावेज में सिर्फ गोपनीय लिख देने भर से कोई दस्तावेज गोपनीय नहीं हो जाता है। उसके लिए ऑफिसियल सीक्रेट एक्ट के प्रावधानों का उल्लंघन होना जरुरी है। उन्होंने कहा कि पुलिस इस मामले को लेकर मेरे मुवक्किल से दो दिन तक पूछताछ कर चुकी है।

अजित पवार के रिश्तेदार के घर ईडी का छापा

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरूवार को 25 हजार करोड़ रुपए के महाराष्ट्र राज्य कोआपरेटिव बैंक घोटाला मामले में मुंबई और पुणे के कुछ ठिकानों पर छापेमारी की है। जिन जगहों पर छापेमारी की गई है उनमें अजित पवार के रिश्तेदार जगदीश कदम का घर भी शामिल है। पुणे के सिंध कॉलोनी में स्थित कदम के घर पहुंची ईडी की टीम ने तलाशी ली। ईडी की टीम सुबह साढ़े आठ बजे के करीब अजित पवार के मौसेरे भाई कदम के घर पहुंची और छानबीन शुरू की। तलाशी के दौरान घर के बाहर सीआरपीएफ के जवान तैनात थे। छापेमारी के दौरान कदम घर पर मौजूद नहीं थे। दौंड और जरंडेश्वर चीनी कारखाने को कर्ज देने में हुए कथित घोटाले को लेकर यह छापेमारी की गई। कदम दौंड चीनी मिल के निदेशक हैं। साल 2019 में बांबे हाईकोर्ट में दायर एक जनहित याचिका में महाराष्ट्र राज्य कोआपरेटिव बैंक के अधिकारियों, कर्मचारियों पर सहकारी कारखानों, सूत गिरणी और दूसरी प्रोसेसिंग यूनिट के पदाधिकारियों के साथ मिलकर करोड़ों रुपए के घोटाले करने का आरोप लगाया गया था। सितंबर 2019 में ईडी ने राकांपा प्रमुख शरद पवार, उनके भतीजे अजित पवार और दूसरे आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की थी। इससे पहले बीते 7 अक्टूबर को आयकर विभाग ने भी अजित पवार के करीबियों और उनके रिश्तेदारों के ठिकानों पर छापेमारी की थी।

मुंबई में 14 करोड़ रुपये से अधिक की चरस जब्त, दो महिलाओं समेत चार गिरफ्तार

मुंबई: मुंबई पुलिस ने एक ऐसे गैंग का पर्दाफाश किया है जो शहर के कई इलाकों में ड्रग्स की सप्लाई करते हैं। इस गैंग में पुरुषों के साथ महिलाएं भी शामिल हैं। खास बात यह है कि यह लोग ड्रग्स जम्मू और कश्मीर से मंगवाकर मुंबई में बेचा करते थे। आज भी यह गैंग श्रीनगर से 24 किलो चरस मंगाकर मुंबई में सप्लाई करने वाले थे लेकिन इसकी भनक पुलिस को लग गई और सभी आरोपी सलाखों के पीछे पहुंच गए। पुलिस ने इनसे 24 किलो चरस जब्त किया है जिसकी कीमत तकरीबन 15 करोड़ है। खास बात यह है कि इस ड्रग्स की खेप को श्रीनगर से मुंबई तक एक सेंट्रो कार में लाया गया था। पुलिस अधिकारी के मुताबिक मुंबई पुलिस की अपराध शाखा की यूनिट 6 और 7 को मिली खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मियों ने सोमवार सुबह यहां पश्चिमी उपनगर के दहिसर राजमार्ग पर जाल बिछाकर एक कार को रोका। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी, जो निजी पारिवारिक दौरे का बहाना बनाकर कश्मीर जाते थे, उच्च गुणवत्ता वाली चरस की आपूर्ति और बिक्री में शामिल थे।

अधिकारी के मुताबिक कार को रोकने के बाद पुलिस ने चारों आरोपियों को पकड़ लिया जिनकी पहचान बंडू दगडु उदांशिव, उसकी पत्नी क्लेरा के रूप में की। दोनों पति-पत्नी यहां पवई इलाके में रहते हैं। इसके अलावा पुलिस ने उनकी बेटी सिंथिया और जसर जहांगीर शेख नामक एक अन्य व्यक्ति को भी हिरासत में ले लिया। जांच के दौरान पता चला कि मुख्य आरोपी उदांशिव कश्मीर से नशीला पदार्थ लाता था। वह और अन्य आरोपी फिर मुंबई में अपने ग्राहकों को मादक पदार्थ वितरित करते और बेचते थे। पुलिस उपायुक्त (जांच-1) दत्ता नलवडे ने कहा कि पुलिस जांच और आगे की पूछताछ से बचने के लिए आरोपी महिलाओं और बच्चों को अपने साथ ले जाते थे और पारिवारिक दौरे पर जाने का नाटक करते थे। कश्मीर जाते समय वे अपने मोबाइल फोन बंद कर लेते थे।

फेक न्यूज-भड़काऊ कंटेंट रोकने में नाकाम फेसबुक

केंद्र सरकार ने क्यों मांगा जवाब, क्या है अल्गोरिदम-कम बजट का बड़ा खेल?

भारत ने गुरुवार को सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक से फेक न्यूज, हिंसा, भड़काऊ और वैमनस्य फैलाने वाली सामग्री को लेकर जवाब मांगा है। केंद्र ने फेसबुक से पूछा है कि कंपनी उसे अपनी अल्गोरिदम और अन्य व्यवस्थाओं की पूरी जानकारी दे। साथ ही इन्हें रोकने के लिए फेसबुक क्या कर रहा है, उन कदमों के बारे में भी बताया जाए। केंद्र सरकार की तरफ से यह सवाल अचनाक ही नहीं उठे हैं। दरअसल, बीते कुछ दिनों में फेसबुक पर भारत को लेकर भेदभाव के कई आरोप सामने आए हैं।

पहले जानें क्या हैं फेसबुक पर आरोप?

भारत में मौजूदा समय में फेसबुक के 41 करोड़ से ज्यादा यूजर्स हैं, जबकि इससे ज्यादा लोग व्हाट्सएप इस्तेमाल करते हैं। आंकड़ों के

लिहाज से भारत इस कंपनी का सबसे बड़ा मार्केट है। लेकिन कंपनी पर अपने सबसे बड़े बाजार के लिए बेहद कम संसाधन इस्तेमाल करने से लेकर मालूम होने के बावजूद नुकसान पहुंचाने वाले कंटेंट को न हटाने और कुछ मौकों पर ऐसे कंटेंट को प्रमोट करने तक के आरोप लग चुके हैं। ऐसे में अब सरकार ने फेसबुक को कटघरे में खड़ा किया है और उससे अल्गोरिदम की जानकारी मांग ली है।

कैसे हुआ फेसबुक की गड़बड़ियों का खुलासा?

फेसबुक को लेकर ताजा विवाद पिछले महीने ही शुरू हुआ है। दरअसल, अमेरिकी अखबार 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' और फेसबुक की पूर्व प्रोडक्ट मैनेजर फ्रांसेस हाउगेन ने हाल ही में कई खुलासे किए हैं।

ईडी के खिलाफ अनिल देशमुख पहुंचे बॉम्बे हाई कोर्ट, लेकिन याचिका हुई खारिज

बॉम्बे हाई कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन के खिलाफ महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख की याचिका को खारिज कर दिया है। देशमुख ने इस याचिका में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उन्हें जारी किए गए समन और मामले में पूरी कार्यवाही रद्द करने का अनुरोध किया था। ईडी पर लगाए आरोप इससे पहले अनिल देशमुख ने 13 अक्तूबर को बॉम्बे हाईकोर्ट को बताया था कि प्रवर्तन निदेशालय की ओर से उनके खिलाफ कथित धन शोधन मामले में शुरू की गई कार्रवाई ऐसे लोगों के दावों पर आधारित है,

जो खुद हत्या और उगाही जैसे संगीन अपराधों के आरोपी हैं। प्रवर्तन निदेशालय के सामने पेश होने में नाकाम रहे देशमुख ने अपने वकील के माध्यम से कोर्ट को बताया था कि वह जांच एजेंसी के सामने पेश होना चाहते हैं, लेकिन एजेंसी उनके खिलाफ असहयोग भरा रवैया अपनाने की छवि बना चुकी है। सीबीआई और ईडी कर रहे देशमुख के खिलाफ जांच सीबीआई द्वारा इस साल 21 अप्रैल को देशमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार और आधिकारिक पद के दुरुपयोग के आरोप में प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद ईडी ने देशमुख और अन्य के खिलाफ जांच शुरू की थी। सीबीआई ने मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह द्वारा देशमुख के खिलाफ लगाए गए भ्रष्टाचार और कदाचार के आरोपों की प्रारंभिक जांच (पीई) के बाद प्राथमिकी दर्ज की थी। परमबीर सिंह जबरन वसूली के आरोपों का सामना कर रहे हैं जिसकी जांच भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा की जा रही है।

वसूली केस: मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परम बीर सिंह के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

महाराष्ट्र: वसूली के आरोपों में फंसे मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह की मुश्किलें और बढ़ने वाली हैं। महाराष्ट्र के ठाणे शहर की एक अदालत ने मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह के खिलाफ स्थानीय थाने में दर्ज वसूली के एक मामले में गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आर.जे. तांबले ने दो दिनों पहले ठाणे नगर थाना को आदेश जारी किया जहां मामला दर्ज है। आदेश गुरुवार को उपलब्ध हुआ। अदालत ने कहा, ''आरोपी के तौर पर परमबीर सिंह घर संख्या-133, सेक्टर- 27, चंडीगढ़ जिन पर भादंसं की धारा 384 के तहत वसूली सहित अन्य आरोप हैं, उनके संदर्भ में आपको निर्देश दिया जाता है कि उक्त आरोपी को गिरफ्तार करें और मेरे समक्ष पेश करें।''

बता दें कि, परमबीर सिंह और 28 अन्य के खिलाफ एक बिल्डर से कथित तौर पर वसूली को लेकर जुलाई में मामला दर्ज हुआ। इसमें छह पुलिस अधिकारी भी आरोपी हैं। अन्य आरोपियों में सेवानिवृत्त 'मुठभेड़ विशेषज्ञ' पुलिस अधिकारी प्रदीप शर्मा, पुलिस उपायुक्त दीपक देवराज, सहायक पुलिस आयुक्त एन.टी. कदम और पुलिस निरीक्षक राजकुमार कोथमिरे शामिल हैं। शिकायतकर्ता केतन तन्ना ने आरोप लगाए थे कि जब सिंह जनवरी 2018 से फरवरी 2019 के बीच ठाणे के पुलिस आयुक्त थे तो आरोपी ने वसूली रोधी प्रकोष्ठ के कार्यालय में उन्हें तलब कर सवा करोड़ रुपये की उगाही की थी और उन्हें गंभीर आपराधिक मामलों में फंसाने की धमकी दी थी।

दक्षिण मुंबई में उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास के बाहर विस्फोटकों से लदे एक वाहन के खड़ा करने और इस मामले में पुलिस अधिकारी सचिन वाजे की गिरफ्तारी के बाद मार्च 2021 में सिंह को मुंबई पुलिस के आयुक्त पद से हटा दिया गया था। बाद में उन्होंने राज्य के तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। 'लापता' परमबीर सिंह का नहीं मिल रहा सुराग मुंबई क्राइम ब्रांच ने बीते बुधवार को 'लापता' पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबिर सिंह के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करने के लिए किला कोर्ट में आवेदन दायर किया है। कोर्ट में इस आवेदन पर कल शुक्रवार 29 अक्टूबर को सुनवाई होनी है। मुंबई क्राइम ब्रांच के मुताबिक, हमने बीते 9 अक्तूबर को वसूली मामले में पूछताछ के

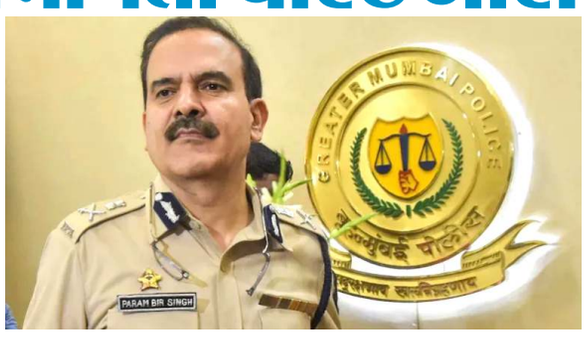

लिए परमबीर सिंह को समन भेजा था पर वो नहीं आए और ना ही किसी तरह का उचित जवाब दिया, इसके बाद ही हमने कोर्ट का रुख किया है। बता दें कि, परमबीर सिंह उगाही मामले में महीनों से 'लापता' चल रहे हैं और उनकी तलाश क्राइम ब्रांच की टीम कर रही है। क्राइम ब्रांच परमबीर सिंह पर सचिन वाझे के खिलाफ दर्ज वसूली के मामले की जांच कर रही है, इसी मामले में छोटा शकील का गुर्गा रियाज भाटी भी आरोपी है जो फिलहाल फरार हैं। परमबीर ने अनिल देशमुख पर लगाए थे आरोप परमबीर सिंह ने इसी साल मार्च में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र लिखकर तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद राज्य सरकार ने जांच के लिए चांदीवाल आयोग का गठन किया जबकि सीबीआई ने देशमुख के खिलाफ जांच कर रही है।

क्रिकेट और देशभक्ति, कार्रवाई में बरती जाए सावधानी

भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को हुए टी-20 वर्ल्ड कप मैच में पाकिस्तान की जीत पर कथित तौर पर खुशी मनाने के मामले में देश के अलग-अलग हिस्सों से गिरफ्तारी और कार्रवाई की खबरें हैं। राजस्थान के उदयपुर में एक प्राइवेट मैनेजमेंट स्कूल की टीचर को गिरफ्तार किया गया है, यूपी के पांच जिलों में सात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और कश्मीर के श्रीनगर में दो मेडिकल कॉलेजों के कुछ स्टूडेंट्स के खिलाफ यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस संदर्भ में सबसे पहले तो यह बात साफ होनी चाहिए कि क्रिकेट या किसी भी खेल को खेल भावना से देखना, उसे एंजॉय करना और अच्छा खेलने वाले किसी भी टीम या खिलाड़ी का समर्थन करना, उसे चीयर करना अपने आप में अपराध नहीं हो सकता। कोई समाज अपने लोगों पर इस तरह की बंदिशें नहीं लगा सकता कि वे खेल के मैदान में इस या उस टीम के पक्ष में

न बोलें या किसी के अच्छे शॉट की तारीफ न करें। लेकिन पाकिस्तान की विशेष पृष्ठभूमि को देखते हुए इन मामलों को सामान्य मानक के आधार पर सीधे-सीधे खारिज नहीं किया जा सकता। इनमें यह देखना जरूरी है कि संबंधित लोगों की भूमिका स्वत:स्फूर्त प्रतिक्रिया की श्रेणी में आती है या मैच के बहाने माहौल बिगाड़कर अशांति फैलाने की व्यापक साजिश से भी उसका कोई लेना-देना है। अगर यह स्वत:स्फूर्त प्रतिक्रिया है तो इस पर यूएपीए जैसी कठोर धाराओं का इस्तेमाल करना या इसे देशद्रोह करार देना न केवल अनावश्यक है बल्कि यह पुलिस और शासन व्यवस्था के प्रति आम नागरिकों का अविश्वास बढ़ाएगा। अगर ये मामले प्रथम दृष्टया किसी व्यापक साजिश से जुड़ते दिखते हैं तो इनमें पूरी गंभीरता से जांच आगे बढ़ाते हुए कानूनी प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। लेकिन इस क्रम में भी यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ऐसे हर मामले में साक्ष्यों के जरिए साजिश से जुड़े पहलू स्पष्ट तौर पर उजागर हों। इन साक्ष्यों के बगैर की जाने वाली पुलिस कार्रवाई संविधान द्वारा दिए गए नागरिक अधिकारों का उल्लंघन मानी जाएगी। इस संदर्भ में सबसे संवेदनशील क्षेत्र जम्मू-कश्मीर की बात करें तो वहां प्रशासन के सामने पाकिस्तान से भेजे गए आतंकवादी तत्वों का मुकाबला करने के साथ-साथ आम लोगों का विश्वास जीतने की दोहरी चुनौती है। इसलिए हर कदम पर यह ध्यान रखते हुए चलना होगा कि अति उत्साह में की गई कोई कार्रवाई आम लोगों को प्रशासन के करीब लाने के बजाय उन्हें उससे और दूर न कर दे। देश के बाकी हिस्सों में उस तरह की चुनौती भले न हो, लेकिन इससे एक सभ्य और उदार समाज की हमारी छवि के धूमिल होने का खतरा तो है ही।

पेगासस पर सच आएगा सामने, संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन के मामलों को हलके में नहीं लिया जा सकता

किरीट ए. चावड़ा

सुप्रीम कोर्ट ने पेगासस स्पाईवेयर प्रकरण में केंद्र सरकार की दलीलों को ठुकराते हुए इसकी विस्तृत और पारदर्शी जांच कराने का फैसला किया और इसके लिए तीन सदस्यों की एक समिति भी गठित कर दी। मीडिया समूहों के एक इंटरनैशनल कॉन्सर्शियम की ओर से करीब तीन महीने पहले आई इस रिपोर्ट ने दुनिया भर में हलचल मचा दी थी कि इस्राइली कंपनी एनएसओ ग्रुप के फोन हैकिंग सॉफ्टवेयर पेगासस के जरिए विभिन्न देशों में नागरिकों की जासूसी कराई गई। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि इसके मार्फत भारत में भी 50,000 लोगों के फोन को निशाना बनाया गया। इनमें न केवल नेता, सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार और बिजनेसमेन बल्कि जिम्मेदार और संवैधानिक पदों पर बैठे लोग भी थे। मामले का एक महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि एनएसओ ग्रुप ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा, यह उपकरण प्राइवेट पार्टियों को नहीं बेचा जाता, सिर्फ सरकारों को दिया जाता है क्योंकि इसका मकसद आतंकवाद जैसी

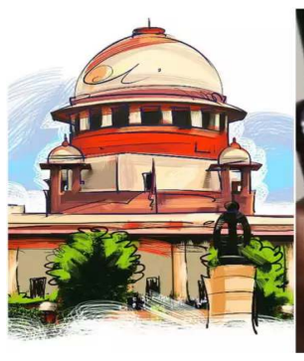

गतिविधियों पर रोक लगाने में मदद करना है। इसके बाद स्वाभाविक रूप से भारत में भी सबका ध्यान सरकार की ओर गया। संसद में भी यह सवाल उठा और सरकार से इस पूरे मामले की भरोसेमंद जांच कराने की मांग की गई। मगर सरकार तमाम आरोपों का खंडन करने से आगे नहीं बढ़ी। उसने देश की सुरक्षा का मामला बताते हुए इसमें ज्यादा कुछ कहने से भी इनकार कर दिया। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान भी कोर्ट के आग्रह के बावजूद सरकार ने न तो विस्तृत हलफनामा दायर किया और न ही स्पष्ट तौर पर यह कहने के लिए तैयार हुई कि सरकार के किसी विभाग ने पेगासस खरीदा है या नहीं और उसका किसी रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है या नहीं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का यह कहना बहुत महत्वपूर्ण है कि सरकार हर मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा की आड़ लेकर नहीं बच सकती। वैसे कोर्ट ने माना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में एक हद तक नागरिकों की निजता के अधिकार का उल्लंघन मान्य हो सकता है, लेकिन उसने स्पष्ट किया कि ऐसा हर उल्लंघन कानूनी और संवैधानिक प्रावधानों की कसौटी पर खरा उतरना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने समिति की जांच के दायरे को जितना विस्तृत रखा है, उससे साफ है कि वह इस संवेदनशील मामले के हर महत्वपूर्ण पहलू की बारीकी से जांच सुनिश्चित करना चाहता है। बहरहाल, सरकार ने पेगासस मामले में अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया है या नहीं यह तो जांच पूरी होने के बाद पता चलेगा, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने यह संदेश जरूर दिया है कि लोकतंत्र में नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन के मामलों को हलके में नहीं लिया जा सकता।

महंगाई की मार, विपक्ष का वार, फंसी सरकार

जिगर डी वाढेर

पूरे देश में अभी महंगाई एक बड़ा मुद्दा बनती दिख रही है। केंद्र में नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली एनडीए सरकार अपने कार्यकाल के सात साल के ऊपर के समय में पहली बार महंगाई के मोर्चे पर न सिर्फ विपक्षी दलों बल्कि आम लोगों के भी कड़े सवालों का सामना कर रही है। कोविड के कारण सुस्त हुए आर्थिक हालात के बीच महंगाई आम लोगों के लिए डबल झटके के रूप में सामने आई। पेट्रोल-डीजल-गैस के अलावा सरसों तेल और आम लोगों के सरोकार से जुड़ी दूसरी चीजें भी महंगी हुईं। कांग्रेस महंगाई के मुद्दे पर अगले महीने देशव्यापी आंदोलन शुरू करने वाली है।

ऐसी चर्चा भी उठी कि सरकार पेट्रोल-डीजल पर टैक्स की कटौती कर आम लोगों को राहत दे सकती है। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले केंद्र सरकार ने अब तक ऐसा करने के संकेत नहीं दिए। हालांकि सरकार ने इतना जरूर कहा कि वह अगले कुछ दिनों में कीमत कम करने की दिशा में कदम उठा सकती है। दरअसल केंद्र सरकार महंगाई और कल्याणकारी योजनाओं के बीच कहीं संतुलन बनाने की कोशिश में है। मतलब महंगाई पर कुछ हद तक नियंत्रण भी रहे और दूसरी ओर सरकार के पास कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च करने के लिए पर्याप्त धन भी उपलब्ध रहे। लेकिन इस बार यह संतुलन साध पाना उतना आसान नहीं लगता।

सरकार क्यों है पशोपेश में

बढ़ती कीमतों के बाद भी अब तक इस मोर्चे पर सरकार का कोई बड़ा कदम न उठाना लोगों को परेशानी में डालने वाला है। मगर सरकार के सामने सिर्फ एक चुनौती नहीं है। ऐसे में सरकार ऐसे संतुलन की तलाश में है जिससे उसके सारे समीकरण दुरुस्त रहें। सरकार की प्राथमिकता कल्याणकारी योजनाएं भी हैं जिनकी बदौलत उसे अब तक बड़ा सियासी प्रीमियम मिलता रहा है। नरेंद्र मोदी की अगुआई में बीजेपी इनमें भी किसी तरह की कटौती नहीं कर सकती है। ऐसी भी खबरें आईं कि सरकार किसान सम्मान निधि के लिए राशि बढ़ा सकती है। दरअसल 2019 आम चुनाव से ठीक पहले केंद्र सरकार ने किसान सम्मान निधि का ऐलान किया। इसके तहत सभी किसानों के खाते में हर साल 6000 रुपये देने का प्रावधान है। इस योजना पर सालाना 75 हजार करोड़ खर्च आता है। खबरों के मुताबिक आम चुनाव से पहले इस निधि की राशि बढ़ सकती है। इसके अलावा उज्ज्वला और आयुष्मान भारत जैसी योजना को भी केंद्र सरकार आम चुनाव से पहले आक्रामक रूप से लॉन्च कर सकती है। इसके लिए सरकार को पर्याप्त धनराशि की जरूरत होगी। कोविड के कारण लगभग डेढ़ साल सरकार की कमाई प्रभावित रही। सरकार का खजाना पहले से ही कोविड से निपटने में खाली हुआ।

35+35+35+35.... पैसे पैसे में पेट्रोल आपकी जेब से 31 दिन में 7.10 रुपये पी गया

इन हालात में सरकार के पास बेहद

सीमित विकल्प हैं। वह मिडिल क्लास पर इनकम टैक्स या दूसरा बोझ नहीं डाल सकती है। उनके लिए भी महंगाई बड़ा मुद्दा है लेकिन इसे कम करने की एवज में सरकार उन पर दूसरा बोझ नहीं बढ़ा सकती है। ऐसे में केंद्र सरकार की सबसे बड़ी दुविधा यह है कि अगर वह दबाव में एक्साइज में कटौती करती है तो आगे उसे निवेश में कटौती करनी होगी जो कि चुनावी साल में जोखिम भरा होगा। और टैक्स में कमी नहीं करती है तो आम लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। हाल में आए तमाम ओपिनियन पोल में कहा गया कि महंगाई अब लोगों के बीच बड़ा मुद्दा बन रही है। सरकार की इस मुद्दे पर आलोचना भी हो रही है। इन सबके बीच बेरोजगारी का मसला भी सामने आ रहा है। इसे लेकर सरकार की दुविधा यह है कि अगर अभी राहत के उपाय उठा दें और कोविड की तीसरी लहर आ गई तो दांव उल्टा पड़ सकता है। पिछले कुछ दिनों विश्व के कई देशों में कोविड फिर पसरता दिख रहा है जिस कारण वहां लॉकडाउन जैसे कदम भी उठाने पड़े हैं।

बहरहाल, सरकार उम्मीद कर रही है कि अगले कुछ महीने में विश्व में कच्चे माल की कीमत स्थिर होगी और कीमतें खुद नियंत्रण में आएंगी। लेकिन उसे पता है कि अगर लंबे समय तक कीमत बढ़ी रह गई तो उसके अपने सियासी नुकसान हैं।

विपक्ष को मौका ही मौका

वहीं महंगाई को सियासत के केंद्र बिंदु में लाने के लिए विपक्ष को मौका ही मौका दिख रहा है। कांग्रेस ने 14 नवंबर से 29 नवंबर के बीच महंगाई के विरोध में पूरे देश में जन आंदोलन चलाने का फैसला कर लिया है। संसद के शीतकालीन सत्र में भी महंगाई के मुद्दे पर विपक्षी दलों के सामने सरकार को घेरने का बड़ा मौका होगा। कांग्रेस के एक सीनियर नेता ने एनबीटी से कहा कि महंगाई और बेरोजगारी का मुद्दा विपक्षी दलों को एक मंच पर लाने के लिए सबसे कॉमन मुद्दा बन सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय जब विपक्षी दल आपस में ही भिड़ रहे हैं, उन्हें किसान आंदोलन से प्रेरणा लेनी चाहिए जो तमाम मतभेद भुलाकर चुनावी जंग में सभी दलों को सरकार के खिलाफ एक होने का सियासी अवसर देते हैं।

पिछले कुछ सालों से राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के मिश्रण से बने मुद्दे को बीजेपी ने ऐसा कवच बनाया है जिसे भेदने का नुस्खा विपक्ष अब तक तलाश नहीं पाया। बीजेपी ने इन मुद्दों को सामने रखकर पूरी राजनीति को ही बदल दिया। अब विपक्ष पूरी ताकत से मुद्दों को अपने पिच पर लाने की कोशिश कर रहा है। आर्थिक सुस्ती की खबरों के बीच विपक्ष बेरोजगारी, महंगाई और किसानों के मुद्दे को मुख्यधारा में लाने की कोशिश में है। लगातार बढ़ती कीमत ने उसे एक सियासी प्लैटफॉर्म दे दिया है। जाहिर है, अगले कुछ महीने इस मोर्चे पर सरकार का डैमेज कंट्रोल प्रयास और विपक्ष का वार देखने को मिलता रहेगा। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम इस दिशा में एक संकेत भी देंगे कि आम लोग किस के पक्ष को सही मान रहे हैं। दरअसल मोदी सरकार को अपने पहले टर्म में आर्थिक मामलों पर खासकर महंगाई के मोर्चे पर अधिक सवालों का सामना नहीं करना पड़ा था। हालांकि नोटबंदी से इकॉनमी जरूर प्रभावित हुई लेकिन लोगों ने तब उसे पीएम नरेंद्र मोदी का बोल्ड प्रयोग मानकर उन्हें पूरे अंक दिए। लेकिन इस बार यहां भी हालात जुदा है और विपक्ष इसे भुनाने की कोशिश करेगा।

तिहाड़ जेल को वापस कैसे मिले खोया सम्मान

भूपेन्द्र पटेल

तिहाड़ जेल अथॉरिटी अपना विश्वास खो चुकी है... जांच पूरी होने तक चंद्रा बंधुओं को अनुचित सहयोग पहुंचाने वाले जेल अधिकारियों को सस्पेंड रहना होगा... इस तरह की टिप्पणियां और आदेश यूनिटेक के प्रमोटर्स चंद्रा बंधु मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दिए। गृह मंत्रालय से भी जेल मैनेजमेंट को मजबूत करने वाले उपायों के बारे में सुझाव देने को कहा गया है। अब तिहाड़ जेल अथॉरिटी के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर जेल के सिस्टम को कैसे और बेहतर बनाया जाए। इसका दूसरा पहलू जेल स्टाफ की इस जिज्ञासा के रूप में सामने आ रहा है कि आखिर इतनी बड़ी गड़बड़ी या चूक हुई कहां है, जो उन्हें ऐसी सजा मिल रही है। उनका आग्रह यह भी है कि जेल स्टाफ की समस्याओं और चुनौतियों के बारे में भी तो कोई जानने का प्रयास करे। मुझे तिहाड़ जेल कवर करते हुए 15 साल से अधिक वक्त हो चुका है। इस दौरान किसी एक मामले को लेकर कभी सुप्रीम कोर्ट इतना सख्त हुआ हो, ऐसा देखने में नहीं आया।

तिहाड़ में कैदियों से वसूली के आरोप की जांच जरूरी: HC

क्षमता से अधिक कैदी

बहरहाल, तिहाड़ जेल के सुधार की बात की जाए तो सबसे पहले यहां की चुनौतियों को देखना होगा।

5200 की क्षमता वाली तिहाड़ जेल में 12 हजार से अधिक कैदी हैं। गैंगस्टर और जघन्य अपराध में जेल आए मुलजिमों की संख्या भी अच्छी-खासी है। इस हिसाब से कैदियों को रखने की जगह और स्टाफ में बढ़ोतरी नहीं हुई है।

वैसे जेल की व्यवस्था में सुधार को लेकर कई तरह के सुझाव भी सामने आ रहे हैं। कुछ प्रमुख सुझावों पर यहां विचार किया जा सकता है। अभी तक जेल में जो सुपरिंटेंडेंट बनाए जाते हैं, वे आमतौर पर दिल्ली सरकार में सिविल डिपार्टमेंट संभालने वाले होते हैं। जिन अफसरों का अपराध और अपराधियों से कभी पाला नहीं पड़ा, उन्हें एक ही झटके में मुलजिमों के समंदर में उतार दिया जाता है। जाहिर है इन अफसरों को इस बात का तजुर्बा नहीं होता कि जेल में बंद गैंगस्टर और अन्य खतरनाक मुलजिमों से कैसे पेश आया जाए, शांति के साथ जेल चलाने के लिए किस तरह की रणनीति अपनाई जाए ताकि कैदी जेलों के अंदर से किसी को धमका ना सकें, किसी के ऊपर जानलेवा हमले न कर सकें, मोबाइल फोन न चला सकें, ड्रग्स वगैरह ना बेच सकें और जेल के अंदर से अपना साम्राज्य न चला सकें। जाहिर है, जेल सुपरिंटेंडेंट के पद पर पुलिस अफसरों को प्राथमिकता देने पर विचार किया जा सकता है। दिल्ली से बाहर अन्य राज्यों के पुलिस अफसर भी यहां सुपरिंटेंडेंट बनाए जा सकते हैं। सीआईएसएफ, सीआरपीएफ या बीएसएफ के अफसरों को भी डेपुटेशन पर लाया जा सकता है, जो यहां के जातिवाद और क्षेत्रवाद जैसे आग्रहों से भी मुक्त होंगे।

इसके अलावा जेल अफसरों की इस मामले में होने वाली उपेक्षा पर भी ध्यान देना होगा। पिछले कुछ सालों से तिहाड़ में भी जेल कैडर

के ऐसे अफसरों को जेल सुपरिंटेंडेंट के तौर पर अवसर नहीं मिल पा रहा, जो सालों के तजुर्बे के बलबूते अच्छे से जेल चलाने का माद्दा रखते हैं। जब उनके सिर पर बाहर से लाकर किसी सुपरिंटेंडेंट को बैठा दिया जाता है तो वे ऊपर से भले 'यस सर' की मुद्रा बनाए रखते हों, वास्तव में अपेक्षित सहयोग नहीं करते। ऐसे में जेलों में खींचतान चलती रहती है।

इसका इलाज यही है कि जेल कैडर के काबिल अफसरों को अवसर देने पर खास ध्यान दिया जाए। इससे जेलों में टीम वर्क अच्छा होगा। इसके साथ ही तिहाड़ जेल का कुछ राज्यों की जेलों के साथ टाइअप किया जा सकता है, जिससे स्टाफ को इस बात का डर रहे कि कुछ गड़बड़ होने पर उसका दिल्ली से दूर भी ट्रांसफर हो सकता है।

तिहाड़ को बनाया 'पिकनिक स्पॉट', जेलर पर फांसी घर में फैमिली के फोटो शूट का आरोप

यहां एक सवाल यह उठता है कि अगर तिहाड़ जेल की सारी कमान पुलिस अफसरों के हवाले कर दी गई तो कहीं आने वाले समय में कैदियों के सुधार की प्रक्रिया न बाधित हो जाए, उनके अधिकारों पर उलटा असर न पड़े। इसके लिए यह व्यवस्था की जा सकती है कि जो भी नए जज बनते हैं, उनकी जेलों को लेकर ट्रेनिंग कराई जाए। ट्रेनिंग का यह समय 15 दिन से एक महीने का हो सकता है या जुडिशरी पर छोड़ा जा सकता है कि वह अपनी तरफ से कोई उपयुक्त अवधि तय कर दे। इसका फायदा यह होगा कि शुरू से ही न्यायिक अधिकारी जेलों के अंदर होने वाली गड़बड़ियों और जेल चलाने में आने वाली चुनौतियों के बारे में जमीनी हकीकत से रूबरू हो सकेंगे। दूसरा, न्यायिक अधिकारियों की जेलों में ट्रेनिंग से जेलों में 'पुलिस राज' कायम नहीं हो सकेगा। जेलों में विजिटिंग जजों की विजिट भी बढ़ाई जानी चाहिए। ये विजिटिंग जज कैदियों से मिलकर उनकी समस्याओं को तो जानेंगे ही जेल अफसरों की चुनौतियों और मुश्किलों को भी समझेंगे। विजिटिंग जज और जेल सुपरिंटेंडेंट की सीलबंद रिपोर्ट हर तीन महीने में संबंधित सरकारों और कोर्ट के पास भेजी जानी चाहिए। इससे जेलों की हकीकत के बारे में पता लगता रहेगा।

यूनिटेक के प्रमोटर्स चंद्रा बंधु मामले में तिहाड़ जेल के 30 कर्मचारी सस्पेंड, दो टर्मिनेट

अखिल भारतीय भर्ती

गौर करने की बात बात है कि तिहाड़ जेल में बंद अधिकतर मुलजिम दिल्ली और आसपास के राज्यों से ही होते हैं। ऐसे में तिहाड़ जेल में अखिल भारतीय भर्ती की व्यवस्था पर भी विचार होना चाहिए ताकि कैदी जेल स्टाफ के लोकल होने की वजह से उससे 'दोस्ती' करने की कोशिश में कामयाब ना हो सकें। इसी मकसद से तिहाड़ में तमिलनाडु स्पेशल पुलिस को लाया गया था। इसके फायदे भी हुए हैं।

इसके अलावा तिहाड़ की नौ जेलों, मंडोली की छह जेलों और रोहिणी की जेलों में आपस में प्रतियोगिता कराई जानी चाहिए कि कौन सी जेल किन मामलों में अच्छी रही। जेल में अलग से एक स्पेशल विजिलेंस टीम बनानी होगी, जिसकी विश्वसनीयता पर शक ना किया जा सके। जेलों में इंटरनल मुखबिरी सिस्टम को और दुरुस्त करना होगा। पुलिस की तरह बीट सिस्टम लागू की जा सकती है ताकि कोई भी मामला सामने आए तो इसकी जवाबदेही तय की जा सके।

NCB पर विवाद का असर:बॉलीवुड में ड्रग्स केस की जांच की रफ्तार पर लग सकता है ब्रेक, 7 दिन से NCB ने नहीं की कोई कार्रवाई

आर्यन खान को जमानत मिलने और NCB के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े पर रिश्वतखोरी के आरोप लगने के बाद बॉलीवुड में ड्रग्स केस की जांच की रफ्तार धीमी पड़ सकती है। NCB ने इस केस में आखिरी कार्रवाई 22 अक्टूबर को की थी। इस दिन एक ड्रग पैडलर को पकड़ा गया, लेकिन उसकी न तो गिरफ्तारी दिखाई गई और न ही यह बताया गया कि उसका क्या हुआ। इसी दिन एक्ट्रेस अनन्या पांडे से भी पूछताछ हुई थी। इसके बाद एक्ट्रेस को दोबारा 26 अक्टूबर को आने को कहा गया था।

22 अक्टूबर को ही नवाब मलिक के हमले समीर वानखेड़े पर तेज हुए और इसके बाद से यह माना जा रहा है कि केंद्रीय जांच एजेंसी बैकफुट पर है। इसके बाद रविवार को अचानक NCB का गवाह प्रभाकर सैल मीडिया के सामने आया और उसने एक एफिडेविट के जरिए आरोप लगाया कि वानखेड़े के नाम पर इस केस के एक अन्य गवाह केपी गोसावी ने शाहरुख खान से 25 करोड़ की रिश्वत मांगी थी। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। इसके बावजूद NCB की विजिलेंस टीम ने इसमें जांच शुरू कर दी है। मलिक ने क्रूज ड्रग्स केस को पूरी तरह से फर्जी करार दिया है।

अब तक तकरीबन एक हफ्ते का समय बीत चुका है। NCB के अधिकारी अपने ही अधिकारी पर लगे आरोप की जांच कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने ड्रग्स केस में न तो अनन्या पांडे को फिर से बुलाया और न ही कहीं और छापेमारी की है। NCB सूत्रों की

माने तो वानखेड़े और उनकी टीम के पास कई लीड हैं, इसके बावजूद वे कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। आर्यन केस में बदनामी झेलने के बाद अब NCB की टीम फूंक-फूंक कर अपने कदम रख रही है। रिया केस में पिछले एक साल से कुछ नहीं हुआ बीते साल अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद बॉलीवुड ड्रग्स केस सामने आया था। रिया चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया गया। दीपिका पादुकोण, श्रद्धा कपूर, सारा अली खान समेत अन्य लोगों को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन केस में कुछ भी हासिल नहीं हुआ था। उसके बाद एनसीबी के लिए यह दूसरा बड़ा झटका है। पिछले एक साल से रिया चक्रवाती केस में कोई अपडेट नहीं आया है। अब सवाल यह उठ रहे हैं कि क्या वह मामला ठंडे बस्ते में चला गया है।

अनन्या को मिल सकती है राहत

आर्यन की जमानत से बैकफुट पर आई NCB अब क्या अनन्या के लीक हुए चैट पर कुछ कार्रवाई करेगी, यह एक बड़ा सवाल है। अनन्या के जो चैट्स लीक हुए थे, उनमें वे आर्यन से चरस और गांजे के जुगाड़ की बात कर रही थीं। इतने संगीन चैट मिलने के बावजूद अनन्या से कोई पूछताछ अभी तक नहीं की गई है।

अन्य स्टार किड्स को भी राहत मिलती नजर आ रही है

आर्यन की गिरफ्तारी के बाद बॉलीवुड के कुछ स्टार किड्स पर शिकंजा कसने की बात सामने आई थी। एक प्रोड्यूसर की बेटी, एक्ट्रेस की बहन, एक्टर की बेटी और भतीजे को समन तक भेजने की बात कही जा रही थी, लेकिन अचानक वह जांच भी ठंडे बस्ते में चली गई।

NCB की बदनामी से नाराज हैं बड़े अधिकारी

एनसीबी सूत्रों की माने तो इस केस में डिपार्टमेंट की हुई बदनामी के बाद दिल्ली में NCB के कुछ बड़े अधिकारी नाराज हैं। उन्होंने सख्त निर्देश दिया है कि जब तक पुख्ता सबूत न हो, किसी भी सेलिब्रिटी पर हाथ नहीं डाला जाए। यही कारण है कि मीडिया से बात करते हुए NCB के DDG ज्ञानेश्वर सिंह ने कहा था कि किसी को पूछताछ के लिए बुलाने का यह मतलब नहीं है कि वह आरोपी या दोषी है। NCB का यह बयान भी उनके बैकफुट पर जाने का एक बड़ा उदाहरण है।

नोटिस जारी किए बिना समीर वानखेड़े को गिरफ्तार नहीं करेंगे, मुंबई पुलिस ने बांबे हाई कोर्ट को किया आश्वस्त

मुंबई, मुंबई पुलिस ने बांबे हाई कोर्ट को गुरुवार को आश्वस्त किया है कि वह नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के जोनल डाइरेक्टर समीर वानखेड़े को तीन दिन का नोटिस जारी किए बिना गिरफ्तार नहीं करेगी। ड्रग मामले में शाहरुख खान के बेटे आर्यन को गिरफ्तार कर चर्चा में आए समीर ने मुंबई पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने की आशंका पर कानूनी संरक्षण के लिए हाई कोर्ट का रुख किया था।

वानखेड़े ने अपने खिलाफ वसूली व भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए चार सदस्यीय टीम गठित करने के मुंबई पुलिस के फैसले को चुनौती देने वाली अपनी याचिका पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया। उनके वकील अतुल नंदा ने जस्टिस नितिन जामदार और एसवी कोतवाल की पीठ के समक्ष गिरफ्तारी से संरक्षण देने की अपील की। याचिका में कहा गया कि वे एनसीबी के एक प्रतिभाशाली अधिकारी हैं। आर्यन खान की गिरफ्तारी के बाद से उनके खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। मुंबई पुलिस द्वारा उनके खिलाफ शुरू की गई जांच गलत और पूर्वाग्रह से ग्रसित हो सकती है। गौरतलब है कि समीर वानखेड़े के खिलाफ आर्यन मामले के गवाह प्रभाकर सैल ने भ्रष्टाचार में लिप्त होने के आरोप लगाए थे। वहीं महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक उनके धर्म को लेकर कई दिनों से लगातार सनसनीखेज आरोप लगा रहे हैं। महाराष्ट्र सरकार ने शुरुआत में वानखेड़े की याचिका का विरोध किया, लेकिन बाद में मुख्य सरकारी वकील अरुणा पई ने अदालत को आश्वस्त किया कि वानखेड़े की गिरफ्तारी से पहले उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा। पई ने कहा कि हम अदालत को आश्वस्त करते हैं कि मुंबई पुलिस की ओर से गिरफ्तारी से पहले वानखेड़े को तीन दिनों का नोटिस जारी किया जाएगा

पिक्चर अभी बाकी है क्यों बोले नवाब मलिक, पर्दे पर कैसे बदल गया सीन... जानिए सबकुछ

- *नवाब मलिक बोले अब पूरा सीक्वेंस बदल चुका है*
- *पकड़ने वाले लोग बचते फिर रह हैं और पकड़ाने वाले जेल चले गए*
- *मलिक ने एनसीबी को पत्र लिखकर 26 मामलों की जांच की जाए*
- *मलिक ने सवाल उठाया कि काशिफ खान की जांच क्यों नहीं हुई*

मुंबई, महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक विकास मंत्री नवाब मलिक ने आर्यन खान की रिहाई के ठीक बाद एक ट्वीट किया था जिसमें उन्होंने लिखा था कि पिक्चर अभी बाकी है।

आखिर नवाब मलिक ने ऐसा क्यों लिखा? इस बात का खुलासा उन्होंने खुद शुक्रवार सुबह ले गई, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान किया। मलिक ने कहा कि पकड़ने वाले लोग अब बचाव का रास्ता ढूंढ रहे हैं। वहीं पकड़वाने वाले या पकड़ कर ले जाने वाले लोग खुद सलाखों के पीछे पहुंच गए हैं। पूरा सीक्वेंस अब बदल चुका है, इसीलिए मैंने कहा था की पिक्चर अभी बाकी है मेरे दोस्त।

तोता हैं वानखेड़े

नवाब मलिक ने यह भी कहा कि जिस तरह से जिन्न की जान एक तोते में होती है, उसी प्रकार से समीर वानखेड़े एक तोते की तरह हैं और जो राक्षसी सोच के लोग हैं, वह उनका समर्थन कर रहे हैं, बीजेपी भी उनका समर्थन कर रही है। उन्हें डर है कि अगर समीर वानखेड़े जेल में चले गए तो फिर उनके सारे काले कारनामों की पोल खुल जाएगी। इस तरह से उगाही का धंधा समीर वानखेड़े चला रहे हैं, इस बात का खुलासा हो जाएगा। इन्हीं तमाम बातों के मद्देनजर अब समीर वानखेड़े और उनके समर्थक हाई कोर्ट से गिरफ्तारी न होने और सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं।

मलिक ने क्रांति रेडेकर पर साधा निशाना

नवाब मलिक ने यह भी आरोप लगाया कि मुंबई हाई कोर्ट में समीर वानखेड़े ने याचिका दायर कर मुंबई पुलिस पर अविश्वास जताने का काम किया है। अब उन्हें अपनी गिरफ्तारी का डर लग रहा है। इसलिए वह हाईकोर्ट की शरण में जा रहे हैं। नवाब मलिक ने समीर वानखेड़े की पत्नी क्रांति रेडेकर का भी जिक्र किया। जिसमें उन्होंने एक पत्र ट्विटर के माध्यम से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लिखा है। नवाब मलिक ने कहा कि पत्र में क्रांति रेडेकर ने खुद को मराठी मुलगी बताते हुए उद्धव ठाकरे से मदद की गुहार लगाई है।

महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने क्रांति रेडेकर को घेरते हुए कहा कि मराठी अस्मिता की चादर ओढ़कर आप खुद को और परिवार को बचाने का जो प्रयास कर रही हैं, वह कामयाब नहीं होगा। आपको मालूम होना चाहिए कि आपके पति महाराष्ट्र को बदनाम करने वाले लोगों के साथ में मिलकर राज्य के खिलाफ साजिश कर रहे हैं। बेगुनाह लोगों को जेल में डाल रहे हैं,वसूली का रैकेट चला रहे हैं। इन सबके बावजूद आपको लगता है कि महाराष्ट्र सरकार आपकी मदद करें?

आ गई दिवाली बनने लगे किले!...रेडीमेड दुर्गों की बढ़ी मांग

ठाणे, महाराष्ट्र के ऐतिहासिक किलों को देखने के बाद छत्रपति शिवाजी महाराज का तेजस्वी इतिहास आंखों के सामने चलचित्र की तरह घूमने लगता है। दीपावली के दिन उन किलों की घरों के बाहर प्रतिकृति तैयार की जाती है। शहरी भागों में किलों की प्रतिकृति तैयार करने के लिए लगनेवाली मिट्टी तथा पत्थरों के लिए बच्चा पार्टी को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। लिहाजा अन्य मूर्तियों की भांति अब रेडीमेड किले और मूर्तियां भी तैयार होने लगी हैं, जिसे बच्चे भी खूब पसंद कर रहे हैं। लोगों का झुकाव बढ़ाकोरोना का कहर कम होने की वजह से इस वर्ष दीपावली धूमधाम से मनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। ऐसे में घरों के बाहर छत्रपति शिवाजी महाराज के किले की प्रतिकृति बनाने के लिए मिट्टी, रंग, ईंट तथा पत्थर इकट्ठे किए जा रहे हैं। शहर के स्मार्ट परिसरों में उक्त सामग्री इकट्ठा करने में होनेवाली दिक्कतों के मद्देनजर रेडीमेड किले, छत्रपति शिवाजी महाराज एवं उनके सरदारों की प्रतिमा की तरफ लोगों का झुकाव बढ़ रहा है।

कीमत रु. ३५० से शुरू

मूर्तिकार प्रवीण पातकर ने बताया कि किलों का महत्व बनाए रखने के लिए रेडीमेड किले-कारखानों में तैयार किए जा रहे हैं। किलों के आकार एवं प्रकार के हिसाब से ३५० से ६०० रुपया दाम तय किए गए हैं।

होती है स्पर्धा, मिलता है पुरस्कार

इसके साथ ही छत्रपति शिवाजी महाराज सहित तानाजी मालुसरे, नेताजी पालकर, बाजीप्रभु देशपांडे जैसे सरदारों की प्रतिमा, तोप, मंदिर, पेड़, बाजार, गाय-बैल जैसी सजावट के सामान भी बनाए जा रहे हैं, जिनके अलग-अलग दाम हैं। किला प्रेमी मनोज चव्हाण का कहना है यहां होनेवाली किला स्पर्धा में जगह-जगह बनाए गए किलों का निरीक्षण कर उत्कृष्ट किला बनानेवाले को पुरस्कृत किया जाता है।

मिट्टी के दीयों की आई बहार!

कल्याण. दिवाली नजदीक आते ही बाजार में मिट्टी के दीयों की बहार आ गई है। कल्याण की दुकानों में रंग-बिरंगे दीये सज गए हैं। मान्यता है कि मिट्टी का दीपक जलाने से घर में सुख, समृद्धि और शांति का वास होता है। शहर के लगभग सभी प्रमुख बाजारों में मिट्टी के पारंपरिक दीयों के अलावा लगभग दो दर्जन से भी अधिक किस्म के दीये उपलब्ध हैं। इनमें रंग-बिरंगे दीये भी स्टॉल की शोभा बढ़ा रहे हैं। साथ ही चिकने व आकर्षक दीपक ग्राहकों के मन को लुभा रहे हैं। भले ही दिवाली आने में कुछ दिन शेष हैं लेकिन लोगों ने दीया खरीदना शुरू कर दिया है। २० रुपए से लेकर १२० रुपए दर्जन तक के दीये बाजार में उपलब्ध हैं। शिवाजी चौक, खड़कपाड़ा, प्रेमऑटो चौक, लालचौकी चिंचपाड़ा, चेतना स्कूल, कोलसेवाड़ी वाले रोड की अधिकांश दुकानें विभिन्न किस्म के दीयों से सजी हुई हैं। दीयों के साथ अब इस बाजार में पटाखों की दुकानें भी सज गई हैं। रंगोली व एक से बढ़कर एक खूबसूरत आकाश कंदिल भी बाजार में बिकने के लिए आ गई हैं।

मोनो-मेट्रो की जुगलबंदी!... महालक्ष्मी में होंगे कनेक्ट

मुंबई, मोनो रेल और मेट्रो ट्रेन दोनों ही मुंबईकरों की यातायात के नए साधन हैं। मगर इनके रास्ते अलग हैं। अब ये दोनों एक जगह पर जुगलबंदी करते नजर आएंगे। संत घाडगे महाराज चौक से चेंबूर के बीच चलनेवाली मोनो रेल को अंडर ग्राउंड महालक्ष्मी मेट्रो स्टेशन से कनेक्ट किया जाएगा।

योजना के मुताबिक अंडर ग्राउंड स्टेशन से मोनो रेल के बीच कनेक्टिविटी करीब ७०० मीटर की होगी। ऐसे में परिवहन के दोनों साधनों के साथ इंटरकनेक्टिविटी से मोनो रेल यात्रियों की संख्या में सुधार होने की उम्मीद बढ़ जाएगी।

बता दें कि कोविड-१९ महामारी से पहले मोनो रेल में १८,००० यात्री सफर करते थे, जबकि प्रतिदिन २ लाख यात्रियों को ले जाने की क्षमता है। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल), जो कि अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन का निर्माण कर रहा है, वह पश्चिम रेलवे के महालक्ष्मी स्टेशन के साथ कनेक्ट होगा।

७०० मीटर होगा विस्तार

एक अधिकारी ने कहा, 'इस विस्तार से मोनोरेल के फुटफॉल में सुधार होगा। वर्तमान में संत घाडगे महाराज चौक मोनो रेलवे स्टेशन और महालक्ष्मी मेट्रो स्टेशन के बीच की दूरी ७०० मीटर है। अंडरग्राउंड नेटवर्क से बाहर आने के बाद मोनोरेल पर चढ़ने के लिए ज्यादा लोग नहीं चलेंगे इसलिए इस प्रस्ताव का अध्ययन किया जा रहा है।'

सड़क के बीच बनेगा पिलर

इस संबंध में परियोजना से जुड़े सूत्रों ने बताया कि 'विस्तार के लिए भूमि के अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं होगी क्योंकि गाइडवे के लिए पिलर्स सड़क के बीच में बनेगा। मेट्रो के साथ कनेक्टिविटी इस तरह की जाएगी, ताकि मोनो के यात्रियों को एस्केलेटर और सीढ़ियों के माध्यम से सीधे अंडर ग्राउंड स्टेशन में प्रवेश मिल सके।

होगा केबल-स्टे डिजाइन

सूत्र का कहना है कि जैकब सर्कल के नीचे भूमिगत जल भंडारण टैंक के ऊपर वैâसे जाना है, इसके अलावा कोई और चुनौती नहीं दिख रही है। एक विकल्प पर विचार किया जा रहा है कि भूमिगत टैंक को बायपास करने के लिए गाइडवे के लिए केबल-स्टे डिजाइन किया गया है। हालांकि, प्रस्ताव अभी शुरुआती चरण में है, अधिकारियों का अनुमान है कि विस्तार की लागत २०० करोड़ रुपए के आसपास होगी।

महाराष्ट्र में बुलढाणा अर्बन बैंक में फिल्मी स्टाइल में 1 करोड़ की लूट

महाराष्ट्र के जालना जिले में मौजूद बुलढाणा अर्बन बैंक में दिनदहाड़े हथियारों बंदूक की नोक पर लूट का खेल खेला गया। आरोपियों ने रिवाल्वर दिखाकर बैंक से पैसे और लॉकर से गहने लूट लिए। यह घटना 28 अक्टूबर दोपहर की है। जानकारी के मुताबिक 3 लोग रिवाल्वर के साथ बैंक में पहुंचे और बैंक कर्मचारियों पर रिवाल्वर तानकर 25 लाख रुपए कैश और तकरीबन 75 लाख रुपए के गहने लूट कर फरार हो गए। हालांकि यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

मोहित कंबोज का नवाब मलिक को जबाव, बोले- हर आरोप का जवाब दूंगा

नवाब मलिक के आरोपों पर जवाब देते हुए बीजेपी के नेता मोहित कंबोज ने कहा है कि नवाब मलिक को जो भी कहना है, जो भी आरोप लगाना है, वह लगाएं। मैं उनके किसी भी आरोप से डरने वाला नहीं हूं। मैं उनके हर एक आरोप का जवाब दूंगा।

नवाब पर भड़के राम कदम, बोले- प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिये महाराष्ट्र सरकार के दाग धो रहे हैं मलिक

बीजेपी नेता और विधायक राम कदम ने महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक को उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद गिरते हुए कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस करना नवाब मलिक की मजबूरी थी क्योंकि पूरा देश यह देख चुका है कि किस प्रकार से बीते एक महीने के दरम्यान महाराष्ट्र सरकार ड्रग माफियाओं का समर्थन कर रही है। कदम ने कहा कि अब इन लोगों को सीबीआई जांच की याद आती है। साधु संतों की हत्या हुई तब पूरा संत समाज और देश सीबीआई जांच की मांग कर रहा था, तब कहां सोए हुए थे आप। अब जब पूरा देश यह जान चुका है कि आप ड्रग माफिया के समर्थन में हैं और आपका दागी चेहरा सबके सामने उजागर हो चुका है। तो उस दागी के चेहरे को धोने की कोशिश आज की प्रेस कॉन्फ्रेंस में नवाब मलिक ने की।

नवाब मलिक का योगी आदित्यनाथ पर निशाना, 'बॉलिवुड को बदनाम करके यूपीवुड बनाने का सपना धरा रह जाएगा'

ड्रग्स मामले में आर्यन खान समेत तीन लोगों को जमानत मिल गई है। इस मामले में महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक शुरुआत से ही एनसीबी के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े के खिलाफ मोर्चा खोले हुए थे। आर्यन को जमानत मिलने के बाद नवाब मलिक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर वानखेड़े और बीजेपी पर सनसनीखेज आरोप लगाए। नवाब मलिक ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार को बदनाम करने का एक षड्यंत्र वानखेड़े के माध्यम से हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि योगी आदित्यनाथ नोएडा में फिल्म सिटी बनाना चाहते हैं और इसलिए बॉलीवुड को बदनाम किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'योगी महाराज को लगता है कि बॉलिवुड को बदनाम कर देने से यूपीवुड तैयार हो जाएगा तो यह उनकी गलतफहमी है।

मिठाइयों की जगह सूखे मेवे का प्रचलन बढ़ा

नागपुर। इन दिनों त्योहारों में उपहार स्वरूप देने के लिए ड्राईफ्रूट्स गिफ्ट बॉक्स का प्रचलन बढ़ा है। मिठाइयों की लाइफ कम होने के कारण अब लोग ड्राईफ्रूट्स गिफ्ट बॉक्स उपहार में दे रहे हैं। व्यापारियों के अनुसार इस दिवाली पर सूखे मेवे की मांग 15 से 20 प्रतिशत बढ़ी है। ड्राईफ्रूट्स गिफ्ट बॉक्स के लिए नागपुर एक बड़े बाजार के रूप में उभरा है। संपूर्ण मध्यभारत में यहां से ड्राईफ्रूट बॉक्स की सप्लाई की जाती है। शहर में ड्राईफ्रूट बॉक्स का व्यापार शुरू हो चुका है। ड्राईफ्रूट्स विक्रेता अतुल कोटेचा ने बताया कि मिठाइयों की जगह अब लोग ड्राईफ्रूट्स गिफ्ट बॉक्स देना अधिक पसंद कर रहे हैं। क्योंकि ड्राईफ्रूट शरीर के भीतर रोगप्रतिकारक क्षमता बढ़ाने का काम करता है। दिवाली जैसे त्योहारों में इसकी बिक्री और भी बढ़ जाती है। बाजार में एक से बढ़कर एक आकार वडिजाइनों की कई वेरायटी के आकर्षक ड्राईफ्रूट्स के बॉक्सेस हैं।

पहले बारिश ने तबाह की फसलें ,अब नहीं मिल रहे सही दाम

अमरावती। फसलों की बुआई के दौरान मानसून का सितम और फिर बाद में हुई अतिवृष्टि के कारण मूंग व उड़द की फसलों का बड़े पैमाने में नुकसान हुआ है। बड़ी मुश्किल से प्राप्त हुई फसल किसानों द्वारा कृषि उपज मंडी लाए जाने के बाद खरीदारों द्वारा किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य भी नहीं दिया जा रहा है, लेकिन किसानों के साथ हो रही इस अनियमितता पर बाजार समितियों में शिकायत किए जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो पा रही है। किसानों को न्यूनतम भाव से लगभग 2 हजार रुपए कम कीमत पर अपनी फसलें बेचनी पड़ रही है। जिससे उत्पादन का खर्च पूरा कर पाना भी मुश्किल हो रहा है। लगातार तीन वर्षों से हो रही अतिवृष्टि के कारण उड़द व मूंग की फसलों को काफी नुकसान हो रहा है। जिसके चलते प्रतिवर्ष मूंग व उड़द के बुआई क्षेत्र में भी कमी आ रही है। इसकी जगह कपास व सोयाबीन के क्षेत्र बढ़ रहे हैं। इस वर्ष 13 हजार 385 हेक्टेयर में मूंग तथा 4 हजार 633 हेक्टेयर में उड़न की बुआई की गई है।

बच्चों में शैक्षिक तनाव पर नजर रखने की जरुरत है

हम जिस समाज में रहते हैं, उसमें अकादमिक उत्कृष्टता के लिए बहुत सम्मान है। वे छात्र जो अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरते हैं, उन्हें अक्सर कठोर आलोचना का सामना करना पड़ता है जो उनकी क्षमताओं और बुद्धिमत्ता के बारे में आत्म-संदेह पैदा करता है। एक प्रतिस्पर्धी दुनिया के साथ, छात्रों पर उनके माता-पिता द्वारा एक उज्ज्वल भविष्य बनाने और जीवन में सफल होने के लिए लगातार दबाव डाला जाता है। हालांकि, छात्रों पर भारी दबाव न केवल उनके विकास और सीखने में बाधा डालता है बल्कि तनाव और चिंता को बढ़ाता है।

माता-पिता द्वारा बच्चों पर दबाव।

बच्चे का भविष्य माता-पिता के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय होता है। चूंकि हमारे देश में शैक्षणिक संस्थान अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए हमेशा प्रतिभाशाली और सर्वश्रेष्ठ छात्रों की तलाश में रहते हैं, माता-पिता अपने बच्चों से उम्मीदें बढ़ाने के लिए मजबूर होते हैं। आजकल माता-पिता इस बात को लेकर बहुत चिंतित हैं कि दुनिया उनके छात्रों को कैसे देखेगी, जिसके परिणामस्वरूप माता-पिता का दबाव होता है।

हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा प्रतियोगिता में सफल हो। पढ़ाई के अलावा, बच्चे विभिन्न क्षेत्रों कि बढ़ती उम्मीदों में भी फंस जाते हैं, जैसे खेल, संगीत, कला आदि। इसलिए, छात्र के संपूर्ण विकास की परवाह किए बिना, माता-पिता उन्हे धकेलते रहते हैं, अंततः तनाव, निराशा, चिंता और आत्महत्या की ओर ले जाता है। कोलकाता के 3 निजी स्कूलों और 3 सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के 11वीं से 12वीं कक्षा के 190 छात्रों पर किए गए एक अध्ययन में यह पाया गया कि लगभग दो-तिहाई छात्रों ने अपने माता-पिता से अकादमिक रूप से बेहतर प्रदर्शन करने का दबाव महसूस किया।

शैक्षणिक तनाव

भारत में स्कूली शिक्षा प्रणाली पाठ्यपुस्तक उन्मुख है जहां हर दिन व्यवस्थित लंबे समय तक अध्ययन और रटने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। अध्ययन की दिनचर्या मनोरंजन और समाजीकरण के लिए बहुत कम समय छोड़ती है। उसके ऊपर, दूसरों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए उच्च प्रतिस्पर्धा है। स्कूल स्तर से लेकर हाई स्कूल जीवन तक तृतीयक संस्थानों में प्रवेश पाने के लिए, छात्रों को हर कदम पर शैक्षणिक तनाव का अनुभव होता है। निस्संदेह, लगातार शैक्षणिक तनाव छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ता है। 2018 में, देश में 1.3 लाख आत्महत्याएं हुईं, जिनमें से आठ प्रतिशत छात्र थे।

छात्रों में तनाव को सीमित करने के लिए क्या किया जा सकता है?

छात्रों द्वारा सामना किए जाने वाले तनाव को कम करने में शिक्षक और माता-पिता दोनों महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शिक्षकों को क्या करना चाहिए?

1. शिक्षक अपने छात्रों को समय प्रबंधन के महत्व के बारे में शिक्षित कर सकते हैं जो तनाव को काफी कम कर सकता है। उन्हें असाइनमेंट जमा करने के लिए उचित समयसीमा प्रदान करनी चाहिए। यह न केवल तनाव को कम करेगा बल्कि उन्हें अपना काम देने के लिए प्रेरित भी करेगा।
2. शिक्षकों को हर छात्र को हतोत्साहित करने के बजाय उसके प्रयास को स्वीकार करना चाहिए
3. किसी विषय को गहराई से समझने से छात्रों को बेहतर करने में मदद मिलेगी।

माता-पिता को क्या करना चाहिए?

1. माता-पिता को चाहिए कि वह बच्चों के पढ़ने के लिए एक अच्छा और शांतिपूर्ण माहौल बनाएं।
2. शिक्षा, खेल या किसी अन्य क्षेत्र में हों, माता-पिता को हमेशा बच्चे की खामियों और गलतियों को स्वीकार करना चाहिए। उन्हें अपने बच्चों को यह सिखाने की जरूरत है कि असफलता सफलता का हिस्सा है।
3. यदि कोई बच्चा डर या चिंता का अनुभव कर रहा है, तो माता-पिता को समय निकालकर बात करनी चाहिए और चिंताओं को दूर करना चाहिए।

हमारे देश का भविष्य उज्ज्वल होना चाहिए न कि तनावग्रस्त। माता-पिता, शिक्षक और समाज बड़े पैमाने पर अगली पीढ़ी के लिए तनाव मुक्त जीवन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। माता-पिता के लिए भी यह समझने का समय है कि उनके बच्चे को क्या पसंद है और क्या नहीं।

अगर बच्चे अपने माता-पिता में एक अच्छा दोस्त देखते हैं तो वे सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए प्रेरित महसूस करते हैं।

अपने बच्चे के साथ समय बिताएं। वे आपकी दोस्ती को महसूस करते हैं।

अपने बच्चे के साथ व्यापक व्यवहार करें, जिससे वे आपसे कुछ भी नहीं छिपाएंगे।

कुछ माता-पिता के बच्चे डॉक्टर बनते हैं, कुछ इंजीनियर बनते हैं, कुछ क्रिकेटर बनते हैं, आदि। हर बच्चे में एक अलग प्रतिभा होती है, माता-पिता को अपने बच्चे के करियर का फैसला करने से पहले उसे पहचानना होगा।

डायबिटीज रोगी भी दीपावली में खा सकते हैं यह लजीज मिठाइयां और पकवान, नहीं होगी दिक्कत

देश में त्योहारों का मौसम शुरू हो चुका है। कोई भी त्योहार मिठाइयों और पकवान के बिना अधूरे माने जाते हैं, इसमें भी दीपावली को काफी खास माना जाता है। पर डायबिटीज रोगियों के लिए मिठाइयों का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकता है। यही कारण है कि डायबिटीज के शिकार लोगों को

हर त्योहार पर मन मार कर रहना पड़ जाता है। विशेषकर जिन लोगों को हाई डायबिटीज की समस्या होती है, उनके लिए तो त्योहारों पर मिठाई खाना किसी सपने की तरह हो जाता है, पर इस बार ऐसा नहीं होगा।स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मानें तो डायबिटीज के रोगियों को खाने के लिए हमेशा उन्हीं चीजों का चयन करना चाहिए, जिनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। तो आइए आगे की स्लाइडों में जानते हैं कि आखिर दीपावली के इस त्योहार में डायबिटीज रोगी कौन सी मिठाइयां खा सकते हैं? ध्यान रखने वाली बात यह है कि घर पर ही बनी मिठाइयां आपके लिए ज्यादा अच्छी होती है क्योंकि इनमें मीठेपन को आप अपने हिसाब से संयोजित कर सकते हैं। मिठाइयों के सेवन से पहले डॉक्टर की सलाह लेना आवश्यक है।

बेसन के लड्डूदीपावली के त्योहार पर पूजा के लिए बेसन के लड्डू को प्रयोग में लाया जाता है। यह डायबिटीज रोगियों के लिए भी मिठाइयों का अच्छा विकल्प हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक 50 से कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाली चीजों का सेवन डायबिटीज रोगियों के लिए अच्छा माना जाता है। बेसन का ग्लाइसेमिक इंडेक्स 10 होता है, ऐसे में डायबिटीज रोगी नियत मात्रा में बेसन के लड्डू खा सकते हैं।

मूंगदाल का हलवामूंग की दाल को सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। अगर आप डायबिटीज के शिकार हैं तो दीपावली पर आप मूंगदाल का हलवा खा सकते हैं।

मूंग की दाल का ग्लाइसेमिक इंडेक्स 38 होता है, ऐसे में इसका नियत मात्रा में सेवन करना सुरक्षित हो सकता है। मूंगदाल का हलवा घर पर बनाकर खाना ज्यादा अच्छा रहता है, घर पर आप इसमें चीनी की मात्रा को अपने हिसाब से कम रख सकते हैं।

नारियल के लड्डूदीपावली के इस मौसम में डायबिटीज रोगियों के लिए नारियल के लड्डू खाना अच्छा विकल्प हो सकता है। नारियल का सेवन डायबिटीज में फायदेमंद होता है। नारियल का ग्लाइसेमिक इंडेक्स 42 होता है, जो इसे डायबिटीज रोगियों के लिए अच्छा विकल्प बनाता है। घर पर ही नारियल के लड्डू बनाएं और उसमें चीनी की जगह स्टीविया मिलाएं।

अंजीर या खजूर की बर्फीडायबिटीज रोगियों के लिए अंजीर और खजूर खाना फायदेमंद माना जाता है। अंजूर और खजूर दोनों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स 50 से कम होता है, ऐसे में इनकी बर्फी खाना मधुमेह रोगियों के लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। अंजीर की बर्फी में अंजीर के साथ तमाम तरह के ड्राई फ्रूट्स होते हैं, जिनका सेवन आपके लिए सुरक्षित हो सकता है।

नोट: यह लेख स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सुझाव के आधार पर तैयार किया गया है। किसी भी मिठाई को खाने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर ले लें।

दिवाली के ये हैं फैशन टिप्स, जो आपको देंगे सबसे बेस्ट फेस्टिवल लुक

4 नवंबर को दिवाली है। ऐसे तो पांच दिनों में हर दिन आप अलग अलग कपड़ों को कैरी कर सकते हैं। अलग लुक आजमा कर स्टाइलिश दिख सकते हैं। लेकिन दिवाली पांचों दीपोत्सव में सबसे अहम और बड़ा दिन है। इस दिन बाकि दिनों से अलग और अधिक फैशनेबल दिखने की चाह सभी में रहती है। ऐसे में दिवाली के मौके पर कुछ आसान टिप्स को आजमाकर आप अधिक प्रभावशाली लुक हासिल कर सकते हैं। दिवाली में खास और अलग लुक के लिए परिधानों के रंग से लेकर उनके स्टाइल और डिजाइन के चयन पर ध्यान दें। इसके साथ ही मेकअप, ज्वेलरी और हेयर स्टाइल भी अपने परिधान के अनुरूप रखें। आमतौर पर लोग दिवाली उत्सव में एथनिक कपड़े पहनते हैं। आप अपने पारंपरिक लुक में कुछ टिप्स को आजमाकर ट्रेडिशनल दिखने के साथ ही स्टाइलिश भी दिख सकते हैं।

दिवाली के लिए आउटफिट का चयनि दवाली का मौका है तो पारंपरिक परिधानों का चयन करें। आप साड़ी पहन सकती हैं। अगर आप साड़ी लुक में अलग और ग्लैमरस दिखना चाहती हैं तो रफल साड़ी पहन सकती हैं। या फिर साड़ी को इंडो वेस्टर्न तरीके से कैरी करें। पूरा पारंपरिक लुक चाहिए तो बनारसी या सिल्क साड़ी पहन सकती हैं।

त्योहार के मुताबिक कपड़े का रंग का चयनि दवाली पर आप पीले रंग के परिधान , लाल रंग की साड़ी, नारंगी रंग के कपड़े ऐसे परिधानों पहन सकते हैं। ये सारे रंग पूजा के मौके पर शुभ भा माने जाते हैं और खूबसूरत लुक भी देते हैं। आप लाल रंग का कोई कुर्ता, शरारा भी कैरी कर सकती हैं।

दिवाली में हेयर स्टाइलि दवाली में लड़कियां अपने लुक के साथ हेयर स्टाइल पर भी विशेष ध्यान दें। किसी भी साधारण आउटफिट पर अच्छी हेयर स्टाइल आपके लुक को आकर्षक बना सकती है।

बालों को जुड़ा स्टाइल में कैरी करें।

ज्वेलरी दिवाली के मौके पर अपने पारंपरिक लुक के लिए एथनिक आउटफिट के साथ ट्रेडिशनल ज्वेलरी पेयर करें। ऑक्सिडाइज्ड ज्वेलरी भी टेंड में है। हल्के साधारण आउटफिट पर हैवी ज्वेलरी कैरी करें। आप केवल झुमकों को भी कैरी कर सकते हैं। चोकर नेकपीस भी ट्रेंड में है। दिवाली पर अपने पारंपरिक आउटफिट के मुताबिक मेकअप करें। अधिक ड्रामेटिक मेकअप न करके मिनिमल मेकअप कैरी करें। ऑनलाइन, मसकारा और हल्का काजल लगा सकते हैं।

इन पोषक तत्वों की कमी के कारण हो सकती है बालों की समस्या, क्या आप करते हैं इनका सेवन?

ऐसे ही समान्य लक्षण हैं जिनसे हर तीन में से एक व्यक्ति परेशान है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक बालों की समस्या के लिए सिर्फ पर्यावरण ही एक मात्र कारक नहीं है, आपकी जीन, जीवनशैली और खान-पान का भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान होता है। पोषक तत्वों की कमी के कारण भी बालों से संबंधित तमाम तरह की समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक शरीर के अन्य अंगों की ही तरह से बालों को स्वस्थ रखने के लिए भी उचित पोषण और देखभाल की आवश्यकता होती है। यह वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो चुका है कि पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ आपके बालों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं।

आइए आगे की स्लाइडों में इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

समय के साथ बढ़ते हुए प्रदूषण ने हमारे शरीर के जिन हिस्सों को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है, बाल उनमें से एक हैं। कम उम्र में बालों का झड़ना, पकना और कमजोर होना ऐसे ही समान्य लक्षण हैं जिनसे हर तीन में से एक व्यक्ति परेशान है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक बालों की समस्या के लिए सिर्फ पर्यावरण ही एक मात्र कारक नहीं है, आपकी जीन, जीवनशैली और खान-पान का भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान होता है।

पोषक तत्वों की कमी के कारण भी बालों से संबंधित तमाम तरह की समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक शरीर के अन्य अंगों की ही तरह से बालों को स्वस्थ रखने के लिए भी उचित पोषण और देखभाल की आवश्यकता होती है। यह वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो चुका है कि पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ आपके बालों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। आइए आगे की स्लाइडों में इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : आपके लिए सप्ताह शुभ और उत्साहपूर्ण बीतने वाला है। पुरानी परेशानियों का अंत होकर नई ऊर्जा से काम में जुट जाएंगे। मानसिक शांति रहने से काम में मन लगेगा। नौकरी में तरक्की, कारोबार में उत्साहजनक नतीजे मिलेंगे। शारीरिक कष्ट दूर होंगे। भूमि, संपत्ति, नया वाहन आने के योग बन रहे हैं। पारिवारिक स्थिति सुखद रहेगी।

वृषभ : आर्थिक दृष्टि से सप्ताह उत्तम है। ठहराव समाप्त होगा और पैसों के आने का मार्ग खुलेगा। स्वयं का मकान, प्लाट खरीदेंगे। परिवार के सहयोग से सुखद परिणाम मिलेंगे। मित्रों के साथ मनोरंजक यात्रा पर जा सकते हैं। मन प्रसन्न रहेगा। प्रेम संबंध मजबूत होंगे। दांपत्य में प्रेम बढ़ेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। नौकरी और कारोबार में वृद्धि होगी।

मिथुन : स्वराशि का बुध सप्ताह सुखद बनाता दिख रहा है। सोचे सभी कार्य पूर्ण होंगे। परिवार में उत्सवी माहौल रहेगा। आर्थिक लाभ का समाचार मिलेगा। नौकरीपेशा तो प्रमोशन के साथ स्थानांतर होने के योग हैं। कारोबारी लोग लाभ में रहेंगे। अनेक साधनों से पैसों का आगमन होगा। शारीरिक और मानसिक स्वाथ्य बेहतर रहने से मन भी प्रसन्न रहेगा।

कर्क : सप्ताह में बड़े बड़े कार्य संपन्न होंगे लेकिन अत्यधिक भावुकता ठीक नहीं। जो भी कार्य करें अच्छे से विचार कर लें। पैसों के लेन-देन के मामले में किसी पर भरोसा न करें। स्वयं संतुष्ट हो तभी कोई डील करें। नौकरीपेशा को तरक्की के अनेक अवसर मिलेंगे। अविवाहितों के विवाह की बात बन सकती है। मित्रों के साथ पर्यटन करेंगे।

सिंह : लाभदायक स्थितियां बन रही हैं। निवेश के लिए उत्तम समय है। भाई-बहनों के साथ प्रॉपर्टी में हिस्सेदारी बढ़ेगी। बड़े मसले सुलझ जाएंगे। परिवार में समाज में उत्सवी माहौल में शामिल होंगे। धार्मिक आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगेगा। अटका हुआ पैसा मिल जाएगा। कारोबारियों को बड़े प्रोजेक्ट मिल सकते हैं। नौकरी में उन्नति मिलेगी।

कन्या : निर्णय क्षमता मजबूत रहेगी लेकिन कुछ निर्णय उसूलों के खिलाफ जाकर भी लेने पड़ सकते हैं। मन दुविधा में रहेगा। मानसिक और शारीरिक कष्ट आएंगे लेकिन जल्द ही दूर भी हो जाएंगे। आर्थिक दृष्टि से लाभ का समय है। अविवाहितों के विवाह की बात बन सकती है। युवाओं को अच्छे जॉब ऑफर आएंगे। संपत्ति और वाहन में निवेश करेंगे।

तुला : भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। पैसों की आवक होने से खर्च करने की क्षमता भी बढ़ेगी। नौकरी में बदलाव होने की संभावना है। कारोबारी विस्तार करेंगे लेकिन वर्तमान में जो काम है उससे जुड़ा हुआ ही कोई काम करें। स्वास्थ्य गड़बड़ा सकता है। फेफड़े और श्वांस संबंधी परेशानी आ सकती है। संपत्ति खरीदी-बिक्री से लाभ होगा।

वृश्चिक : सप्ताह संतुष्टिपूर्ण रहेगा। कोई बड़े कार्य नहीं होंगे लेकिन कोई काम अटकेंगे भी नहीं। मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। मित्रों के साथ छुट्टियां बिताने के मूड में आ जाएंगे। दांपत्य में मधुरता आएगी। प्रेम प्रगाढ़ होगा। पैतृक संपत्ति का मसला सुलझ जाएगा। कर्ज मुक्ति की संभावना है। नौकरीपेशा को उच्चाधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी।

धनु : इस सप्ताह आपके कार्य धीमी गति से होंगे। किसी करीबी व्यक्ति के कारण ही आपके कार्य अटक सकते हैं। पैसों का लेन-देन सावधानी के साथ करें। प्रॉपर्टी के सौदे करें लेकिन पूरी जांच पड़ताल के बाद। युवाओं के पास तरक्की के अनेक अवसर आएंगे। आजीविका से जुड़ी समस्या दूर होगी। प्रेम प्रसंग सफल होगा।

मकर : अटके कार्यों को गति मिलेगी। अब तक जो लोग आपको अनदेखा करते आ रहे थे वे अब आप पर ध्यान देंगे और यह सब आपकी सफलता के कारण होगा। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह शानदार रहने वाला है। दूरस्थ प्रदेशों की यात्रा के योग हैं। मौके अनेक आएंगे सही की पहचान करना है। पुराना प्रेम लौट आएगा।

कुंभ : कार्य समय पर पूरे हो जाने से मन प्रसन्न रहेगा। किसी बड़े निर्णय में माता-पिता की सहायता लेनी पड़ सकती है। पैसों की आवक भरपूर होगी लेकिन पारिवारिक जरूरतों पर खर्च भी उतना ही होगा। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। यात्रा होने के योग हैं। पुराने निवेश से लाभ होगा। मानसिक शांति मिलेगी। प्रेमी-प्रेमिकाएं सुखद समय का आनंद लेंगे।

मीन : सप्ताह की शुरुआत शुभ समाचार से होगी। आर्थिक दृष्टि से समय महत्वपूर्ण है। अभी किया गया निवेश भविष्य में अतिउत्तम लाभ देगा। संपत्ति खरीदने के योग हैं। मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। युवाओं को नौकरी में अच्छे अवसर मिलेंगे। कारोबारी उत्साह में रहेंगे। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पुराना प्रेम लौट आने की स्थिति बनेगी।

चुटकुले

एक शराबी ने लोगों से कहा कि वह लाल किले को सिर पर रख कर गुजरात ले जा सकता है।
बात धीरे-धीरे फैल गई
फिर इस पर सारे न्यूज चैनलों वहां पहुंच गए
तब शराबी ने न्यूज चैनलों से बोला-
बस कोई लाल किला उठा के उसके सिर पर रख दे

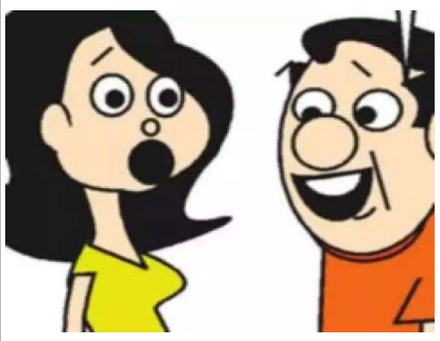

भाभी- देवर जी, शादी से पहले आप मंदिर बहुत जाते थे। अब क्या हो गया?
देवर- भाभी जी क्या ही बोले
भाभी- देवर जी बताओ, अब क्यों नहीं जाते?
देवर- जब से आपकी बहन से मेरी शादी हुई, मेरा ईश्वर पर से भरोसा उठ गया।

टी20 मैच में पाक की जीत का जश्न मनाने पर राजस्थान में एक और एफआईआर दर्ज

जयपुर। टी20 विश्व कप मैच में पाकिस्तान की जीत का जश्न मनाने के चलते बांसवाड़ा के एक व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इस मामले में इससे पहले एक स्कूल शिक्षक को भी गिरफ्तार किया गया था, जिसे जमानत पर छोड़ दिया गया है।शिक्षक ने भी 24 अक्टूबर को भारत के खिलाफ टी 20 विश्व कप में पाकिस्तान की जीत के लिए बधाई देते हुए सोशल मीडिया पर अपना स्टेटस अपडेट किया था। कुशालगढ़ निवासी अमित सिंह द्वारा उसी क्षेत्र के अरमान के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराने के बाद गुरुवार को प्राथमिकी दर्ज की गई।शिकायत में कहा गया है कि बधाई पाकिस्तान संदेश 25 अक्टूबर की सुबह से एक इंस्टाग्राम अकाउंट अरमान डॉट एसके 90 से वायरल हो रहा था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर एक अन्य संदेश भी वायरल हो रहा है, जिसमें लिखा है, किसी किताब को उसके आवरण से मत आंकें-बाबर आजम। उन्होंने कहा कि इस तरह के संदेश राष्ट्रीय भावनाओं और राष्ट्रीय सद्भाव को भी भंग कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि कुशलगढ़ में, राजस्थान पुलिस ने मामला दर्ज किया है और आगे की जांच जारी है। वहीं पाकिस्तान की जीत का जश्न मनाने के लिए जोधपुर में भी दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

इंटरनेट बंद को लेकर भाजपा ने गहलोत सरकार पर बोला हमला

नई दिल्ली । राजस्थान में परीक्षा के दौरान इंटरनेट बंद करने के खिलाफ हल्ला बोलते हुए भाजपा ने अशोक गहलोत सरकार पर जमकर निशाना साधा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने राहुल गांधी के एक पुराने ट्वीट का जिक्र करते हुए कहा कि कश्मीर में इंटरनेट बंद करने का विरोध करने वाली कांग्रेस की राजस्थान सरकार परीक्षा के दौर में प्रदेश में इंटरनेट को बंद कर रही है। यह कांग्रेस के दोहरे मापदंड का प्रतीक है। कश्मीर में आतंकवाद और सुरक्षा के माहौल को देखते हुए कई बार इंटरनेट बंद करना पड़ता है लेकिन राजस्थान में बार-बार इसे क्यों बंद किया जा रहा है ? राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने आरोप लगाते हुए कहा कि राजस्थान में पिछले एक महीने में 4 बार इंटरनेट बंद किया गया, पिछले 10 वर्षों में राज्य में अब तक 78 बार इंटरनेट बंद किया जा चुका है और यह जम्मू-कश्मीर के 10 साल में 315 बार बाद, देश मे दूसरे स्थान पर आता है। जबकि 10 सालों के दौरान यूपी में मात्र 29 बार, हरियाणा में 17 बार, पश्चिम बंगाल में 13 बार, गुजरात में 10 बार , बिहार और महाराष्ट्र में 11-11 बार ही इंटरनेट बंद हुआ है।

92 वर्षीय गांधीवादी सुब्बाराव का निधन

जयपुर। गांधीवादी विचारक पद्मश्री डॉ. एस.एन. सुब्बाराव का बुधवार को जयपुर में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे और लंबे समय से अस्वस्थ थे। उनका जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में इलाज चल रहा था। मंगलवार की रात मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एसएसएस अस्पताल में उनका हालचाल जानने गए थे। गांधीवादी विचारों की स्थापना के लिए जाने जाने वाले सुब्बाराव ने गांधी सेवा संघ की स्थापना कर हजारों लोगों को रोजगार दिया। वह राष्ट्रीय सेवा योजना के संस्थापक सदस्य थे। उन्होंने राष्ट्रीय युवा परियोजना की भी स्थापना की। मुख्यमंत्री गहलोत डॉ. सुब्बाराव को अपना आदर्श मानते थे और उनसे लगातार मार्गदर्शन लेते थे। 1929 में बेंगलोर में जन्मे डॉ. सुब्बाराव 13 साल की उम्र में भारत छोड़ो आंदोलन में शामिल हो गए थे।

सूरत में मैनहोल पर बैठकर पटाखे चला रहे थे 5 बच्चे, गैस की वजह से आग भड़कने से झुलसे

गुजरात के सूरत में दिवाली से पहले हैरान करने वाला हादसा हुआ है। यहां 5 बच्चे सीवर के मैनहोल के ऊपर बैठकर पटाखे जला रहे थे। इसी दौरान सीवर से निकल रही गैस से आग भड़क गई और सभी बच्चे झुलस गए। दरअसल, तुलसी दर्शन सोसाइटी में सीवर के ढक्कन के नीचे से गैस लाइन निकली है, जिसमें लीकेज हो रहा था। बच्चों ने पटाखे जलाने के लिए आग जलाई तो नीचे से लपटें निकलने लगीं और बच्चे उसकी चपेट में आ गए। यह हादसा एक घर में लगे सीसीटीवी में कैद हो गया था। खुशकिस्मती ये रही कि बच्चे गंभीर रूप से घायल नहीं हुए। सोसाइटी में ग्राउंड गैस पाइपलाइन का काम चल रहा है। इसी दौरान बुधवार को गली नंबर-7 के पास मशीन से एक पाइपलाइन डैमेज हो गई थी। इसकी मरम्मत का काम चल रहा था। इसी दौरान बच्चे खेल-खेल में गटर के ढक्कन पर पटाखे रखकर चलाने लगे। यहां गैस जमा थी, जिसने आग पकड़ ली। हालांकि यहां गैस कम मात्रा में थी, जिससे जल्द ही आग बुझ भी गई। हादसे के बाद तुरंत ही सभी बच्चों को अस्पताल ले जाया गया। हालांकि कोई भी बच्चा गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। कुछ के हाथ और पैरों में हल्की जलन की शिकायत थी। इसका ट्रीटमेंट हो गया। कुछ बच्चों के बाल भी जल गए, लेकिन किसी के चेहरे पर जख्म नहीं हुए।

राजकोट में कॉम्प्लेक्स की बालकनी गिरी

गुजरात के राजकोट शहर में याग्निक रोड पर स्थित एक तीन मंजिला काम्प्लेक्स की बालकनी धराशायी हो गई। हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है, लेकिन इमारत के नीचे खड़े कई वाहन मलबे की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गए। जेसीबी की मदद से मलबा हटाकर रेस्क्यू टीम ने बिल्डिंग के अंदर फंसे 8-10 लोगों को सकुशल बाहर निकाल लिया। धनराज नाम के इस काम्प्लेक्स में सभी दुकाने हैं। हादसा सुबह करीब 11 बजे के आसपास हुआ। इसके चलते ज्यादातर दुकानें बंद थीं। कुछ ही दुकानें खुली थीं। इसके चलते 8-10 दुकानदार-कर्मचारियों के अलावा ग्राहक के रूप में एक लड़की ही अंदर थी। खुशकिस्मती से बिल्डिंग के नीचे भी कोई नहीं था, जिससे हादसा टल गया। बालकनी के मलबे में नीचे स्थित जनरल स्टोर का गेट लॉक हो गया था। इसके चलते दुकानदार और एक लड़की (ग्राहक) अंदर ही फंस गए थे। मलबा हटाने के बाद रेस्क्यू टीम ने इन्हें सकुशल बाहर निकाल लिया। अन्य लोगों को पहले ही दूसरे रास्ते से बाहर निकाल लिया गया था। एक स्थानीय दुकानदार मुन्नाभाई ने बताया कि मेरा गैरेज और जनरल स्टोर बिल्डिंग के अंदर ही है। मैंने कुछ देर पहले ही दुकान खोली थी। साफ-सफाई के काम में लगा था, तभी जोर की आवाज सुनी तो मैं घबराते हुए बाहर भागकर आया। तब मालूम हुआ कि बालकनी ढह गई है। हादसे में 8 से 10 दुकानदारों को नुकसान हुआ है। नुकसान कितना हुआ है, इसका पता बाद में ही चल पाएगा।

सैर-सपाटे पर महंगाई की मार-10 दिन में 2.66 रुपए बढ़ा डीजल का दाम, दिवाली पर डेढ़ गुना महंगे हुए बस टूर पैकेज, बुकिंग 50% घट गई

डीजल के लगातार बढ़ते दाम की मार दिवाली के सैर-सपाटे पर पड़ी है। पिछले 10 दिनों में डीजल का दाम 2.66 रुपए बढ़ा है। इसके असर से दिवाली पर लाॅन्ग और शार्ट बस टूर पैकेज डेढ़ गुना महंगे हो गए हैं। बस टूर पैकेज महंगा होने से बुकिंग 50% घट गई है। हर साल दिवाली के 10 दिन पहले 15 करोड़ रुपए के बस टूर पैकेज की बुकिंग हो जाती थी, लेकिन इस बार अब तक 7 करोड़ रुपए की ही हो पाई है। टूर ऑपरेटर्स का कहना है कि रोज 350 से ज्यादा इंक्वायरी आ रही हैं, लेकिन इनमें से 30-35% ही बुकिंग में कन्वर्ट हो पा रही हैं।

महंगा टूर पैकेज होने के कारण लोग बुकिंग से हिचकिचा रहे हैं। पिछले साल कोरोना के कारण जहां टूर एंड ट्रेवेल्स संचालकों का धंधा बंद होने की कगार पर

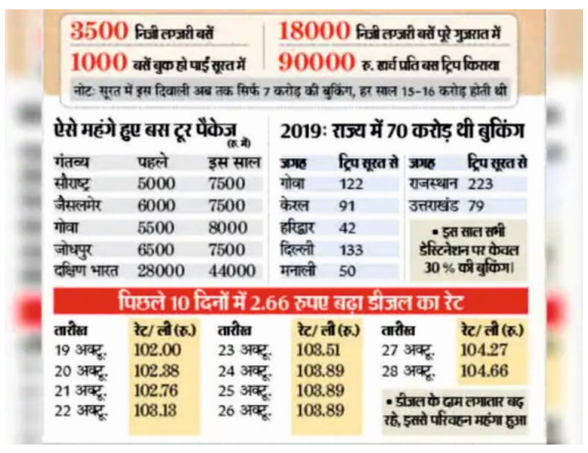

आ गया था, लेकिन इस साल स्थिति बेहतर हुई है, लेकिन लोग इंक्वायरी करके चले जा रहे हैं। डीजल के बढ़े रेट के कारण दक्षिण भारत की टूर बुकिंग तो अब तक एक भी नहीं हुई है। इस बार लोग 5 स्टार होटलों की बुकिंग भी कम कर रहे हैं।

पहले दिवाली पर बसों की कमी पड़ जाती थी

बस टूर ऑपरेटरों ने बताया कोरोना से पहले यानी साल 2017,18 और 19 में दिवाली के 15 दिन पहले लॉन्ग और शार्ट बस टूर्स पैकेज की 60 से 70 प्रतिशत बुकिंग कर लेते थे। दिवाली से तीन चार दिन पहले स्थिति ऐसी हो जाती थी कि लोगों को मना करना पड़ता था, क्योंकि बसें खाली नहीं रहती थीं। इस साल कोरोना के बाद स्थिति बेहतर हुई और इंक्वायरी बढ़ी तो डीजल के रेट बढ़ गए। रोज 60 से 70 प्रतिशत इंक्वायरी आ रही है, लेकिन बुकिंग केवल 30 प्रतिशत ही हो रही है।

डीजल के दाम नहीं बढ़ते तो इस बार 100% बुकिंग मिलने की उम्मीद थी महामंडल

अखिल गुजरात वाहन महामंडल के अनुसार पिछले साल के मुकाबले इस साल स्थिति बेहतर है और लोग घरों से बाहर निकलना चाह रहे हैं। कोरोना के कारण सूरत की लगभग 1300 टूरिस्ट बसें ठप पड़ गई थीं और धंधा बंद हो गया था। दिवाली पर बुकिंग आने से 650 टूरिस्ट बसें चलेंगी। अगर डीजल के दाम नहीं बढ़ते तो बुकिंग 100 प्रतिशत मिलती।

दिवाली टूर पर 40% लोग 3 स्टार होटल बुक करने को दे रहे प्राथमिकता

एक तरफ डीजल के बढ़ते दाम के चलते जहां बसों के टूर पैकेज का भाव बढ़ गया है वहीं दूसरी तरफ अब जो लोग बढ़े हुए रेट का टूर पैकेज ले रहे हैं वे जहां जा रहे हैं वहां के होटलों में बुकिंग में समझौता कर रहे हैं। जहां पहले दिवाली पर घूमने जाने वालों में से 70% लोग फाइव स्टार होटल बुक करते थे वहीं अब केवल 30 प्रतिशत लोग ही फाइव स्टार होटल प्रिफर कर रहे हैं। जबकि 40 प्रतिशत लोग 3 स्टार या उससे भी किफायती बुकिंग कर रहे हैं।

मजबूरी में हमें बस टूर पैकेज में 30-35% की बढ़ोतरी करनी पड़ी

पिछले साल दिवाली पर हमारी लॉन्ग टूर पैकेज की बुकिंग शून्य थी। इस बार बुकिंग पिछले साल से ज्यादा है, लेकिन डीजल के बढ़ते दाम के कारण हमें बसों के टूर पैकेज में 30 से 35% की बढ़ोतरी करनी पड़ी है। रोज 60 से 70% इंक्वायरी हो रही है, लेकिन बुकिंग केवल 30% ही मिल रही है। इस साल सबसे ज्यादा गोवा, जैसलमेर और जोधपुर की बुकिंग हो रही है। महंगाई के कारण दक्षिण भारत की बुकिंग नहीं मिल पा रही है।

गुजरात के भरुच में CNG गैस भरवाते समय टैंक में हुआ धमाका

गुजरात के भरूच शहर में बुधवार की रात एक सीएनजी स्टेशन पर गैस भरते समय कार के टैंक में विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना भीषण था कि पल भर में ही कार के परखच्चे उड़ गए। वहीं, घटना में कार मालिक सूरत के ठेकेदार परिवार और सीएनजी पंप पर मौजूद कर्मचारियों का चमत्कारिक रूप से बचाव हो गया। घटना का सीसीटीवी अब सामने आया है, जो अब वायरल हो रहा है। हादसे में फिलर सहित मौके पर मौजूद तीनों लोगों का बचाव हुआ। मिली जानकारी के अनुसार सूरत के हरिकृष्णा अपार्टमेंट में रहने वाले ठेकेदार नरेंद्र विनुभाई खतरा बुधवार रात अपनी होंडा जैज कार से सूरत से वडोदरा जा रहे थे। रात 11.50 बजे वे भरूच में नर्मदा चौराहे पर स्थित गुजरात गैस सीएनजी स्टेशन पर गैस भरवाने रुके थे।

राज्यमंत्री मनिषा वकील ने कहा-वडोदरा को 100 दिनों में भिक्षुक मुक्त बनाएंगे, आश्रय और रोजगार मिलेगा; यूनिक आईडी नंबर भी दिया जाएगा

गुजरात भाजपा प्रदेश प्रमुख सीआर पाटिल ने वडोदरा में आवारा पशुओं और भिक्षुकों को लेकर मेयर केयुर रोकडिया को कार्रवाई करने हेतु सार्वजनिक तौर पर आड़े हाथ लेने के बाद अब प्रशासन अलर्ट हो गया है। वडोदरा शहर में भिक्षुकों की समस्या हमेशा के लिए निराकरण करने के लिए सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्यमंत्री मनिषा वकील की अध्यक्षता में वडोदरा सर्किट हाऊस पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस दौरान भिक्षुकों को सरकारी आश्रयस्थानों पर विस्थापित कर उन्हें अपने पैरों पर

खड़ा करने का निर्णय लिया गया है। भिक्षुकों को आश्रय स्थल भेजा जाएगा:

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री राज्यमंत्री मनिषाबेन वकील ने बताया कि वडोदरा शहर को 100 दिनों के भीतर भिक्षुक मुक्त किया जाएगा। उन्हें रोजगार उपलब्ध कर उनके पैरों पर खड़े करने के प्रयास किए जाएंगे। समाज कल्याण और समाज सुरक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत भिक्षुकों को शामिल कर उनका जीवन बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा।

वडोदरा शहर में भिक्षावृत्ति करने वाले लोगों को समाज सुरक्षा तथा पुलिस विभाग द्वारा राउंडअप कर लिया जाएगा और राउंडअप करने के बाद उन्हें आश्रय स्थानों पर शिफ्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज सुरक्षा विभाग द्वारा निर्धारित किए गए आश्रयस्थानों पर भिक्षुकों को रखने के बाद उन्हें स्वच्छता और स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी जाएगी। ऐसे भिक्षुकों को यूनिक आईडी प्रदान की जाएगी।

दिवाली पर राहत-30 अक्टूबर से 30 नवंबर तक रात्रि कर्फ्यू रात 1 बजे से 5 बजे तक रहेगा, थिएटर 100, रेस्टॉरेंट में 75 % क्षमता के साथ खोलने की छूट

राज्य में हाल ही में कोरोना का संक्रमण का प्रमाण कंट्रोल में है। वहीं दूसरी ओर त्योहारों को ध्यान में रखते हुए सरकार की ओर से रात्रि कर्फ्यू में और अधिक छूट देने की घोषणा की है। आगामी 30 अक्टूबर से 30 नवंबर यानि की एक महीने तक राज्य में रात्रि कर्फ्यू रात 1 बजे से सुबह 5 बजे तक रहेगा। इसके साथ ही सिनेमा हॉल तथा रेस्टॉरेंट का समय और क्षमता में भी बढ़ोत्तरी की गई है। अब सिनेमा 100 फीसदी क्षमता के साथ खुला रख सकेंगे तथा होटल-रेस्टॉरेंट में 75 फीसदी क्षमता के साथ शुरू रख सकेंगे।

थिएटर, होटल-रेस्टॉरेंट को बडी राहत: राज्य में पिछले कई दिनों से कोरोना के प्रतिदिन मामलों में निरंतर कमी दर्ज की गई है। जिसके चलते 8 महानगरों में रात्रि कर्फ्यू में फिलहाल रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक रखा गया है उसमें दो घंटों की राहत देकर 30 अक्टूबर से रात 1 बजे से सुबह 5 बजे तक कर्फ्यू का समय निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही दिवाली की छुट्टियों में लोग परिवार के साथ बाहर खाना खाने और घूमने जाते है जिसे ध्यान में रखते हुए थिएटरों को सौ फीसदी दर्शकों के साथ तथा होटल और रेस्टॉरेंट को 75 फीसदी ग्राहकों की क्षमता के साथ खुला रखने की अनुमति दी गई है। अब शादी समारोह में 400 लोगों की छूट शादी समारोह में इससे पहले 150 लोगों की मर्यादा थी, जिसे अब बढ़ाकर 400 लोगों की छूट दी गई है। ऐसे आयोजनों में हिस्सा लेने वाले हरेक व्यक्ति को कोरोना वैक्सीन के दोनों डोज लेना अनिवार्य किया गया है। ऐसे आयोजनों में लाउड-स्पीकर, ध्वनि नियंत्रण के बारे में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करना भी जरूरी बताया गया है। अंतिम क्रिया-दफनविधि में इससे पहले 40 लोग जुड़ सकते थे जिसे अब बढ़ाकर 100 लोगों की मर्यादा की गई है। हेयर कटिंग सैलून, ब्यूटी पार्लर रात 12 बजे तक खोले जा सकेंगे सभी दुकानों, वाणिज्यिक संस्थाओं, लॉरी-गल्लाओं, शॉपिंग कॉम्पलेक्स, मार्केटिंग यार्ड, बाजार, हेयर कटिंग सलून, ब्यूटी पार्लर तथा अन्य व्यापारीक गतिविधि रात 12 बजे तक चलाई जा सकेगी। वहीं नए साल में स्नेह मिलन कार्यक्रमों में खुली जगहों पर 400 लोगों को बुलाया जा सकेगा। इसके अलावा स्पा सेंटरों को नियमों का सख्ती से पालन करने के साथ सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक खुला रखा जा सकेगा। स्पा सेंटर मालिकां, संचालकों, कर्मचारियों तथा इस काम से जुड़े लोगों के लिए वैक्सीन का पहला डोज लेना अनिवार्य किया गया है।

कचरे में फेंक दी गई एक और नवजात, कुत्ते-कौवे नोंच रहे थे तो राहगीर ने बचाया, 10 माह में 13 नवजात फेंके गए

भेस्तान में एक और निर्मम मां अपनी नवजात बच्ची को कचरे के ढेर में फेंककर चली गई। इस तरह से नवजातों को फेंकने का इस साल के 10 महीनों में यह 13वां मामला है। इनमें तो 9 की तो किसी की नजर पड़ने के पहले ही मात हो गई थी। गुरुवार सुबह भेस्तान स्थित सीएनजी पंप के पास साड़ी-ब्लाउज में लपेट कर सड़क के पास कचरे के ढेर में फेंकी गई 4-5 घंटे पहले जन्मी नवजात जिंदा है, लेकिन सिविल अस्पातल में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रही है। उसे जब एक राहगीर ने देखा तो कुत्ते और कौवे नोंच रहे थे। बच्ची को कान फेंक कर फरार हो गया इस बारे में पुलिस को अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। राहगीर को प्लास्टिक की थैली में बच्ची दिखाई पड़ी तो उसने 108 एंबुलेंस बुलाकर सिविल अस्पताल भेजा।

ठंड से कराह रही थी नवजात, थैली खोली तो हिलने लगी गुरुवार सुबह भेस्तान स्थित सीएनजी पंप के पास कचरे के ढेर के पास राहगीर भरत पाल ने नवजात को देखा। भरत ने बताया कि वह सीएनजी पंप के पास स्थित लूम्स कारखाने में काम करता है। सुबह काम पर जाने के दौरान कचरे के ढेर के पास से गुजर रहा था, तभी एक बच्ची के रोने की आवाज सुनाई पड़ी। पास जाकर देखा तो कुत्ते और कौवे एक थैली को नोंच रहे थे।

सूरत पहुंचे प्रदेश कांग्रेस के बड़े नेता-मोदी पर टिप्पणी के मानहानि मामले में राहुल गांधी कोर्ट में पेश होंगे, लोकसभा चुनाव में प्रचार के दौरान कहा था- सभी मोदी चोर हैं

कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को सूरत आएंगे। वह मोदी पर टिप्पणी को लेकर मानहानि के एक मामले में सत्र न्यायालय में पेश होंगे। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने टिप्पणी की थी कि सभी मोदी चोर हैं। इस बयान को लेकर सूरत पश्चिम के विधायक और भाजपा नेता पूर्णेश मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का केस किया है। राहुल गांधी के आगमन से पहले कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी रघु शर्मा, विरोध पक्ष के नेता परेश धनानी, प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा सूरत पहुंच चुके हैं।

बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को भी जमा करने की तैयारी की जा रही है। इससे पहले इस मामले में राहुल गांधी को दो बार सूरत कोर्ट में हाजिर हो चुके हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमित चावड़ा ने राहुल गांधी के खिलाफ गलत केस करने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को परेशान करने के लिए उनके खिलाफ पूरा षड्यंत्र रचा गया है। भाजपा लोगों के संवैधानिक हक को खत्म करने का प्रयास कर रही है। राहुल गांधी न्याय तंत्र पर भरोसा करते हैं, इसलिए भाजपा की गलत नीतियों के खिलाफ लड़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी शुक्रवार दोपहर 2 बजे सूरत एयरपोर्ट से सीधे कोर्ट जाएंगे।

SPORTS खेल जगत

केविन पीटरसन ने की भविष्यवाणी, कहा- यह भारतीय बल्लेबाज बनाएगा सबसे ज्यादा रन

संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में खेले जा रहे टी-20 विश्व कप का सफर जारी है। अब तक खेले गए ज्यादातर मैचों में कांटे की टक्कर देखने को मिली है। इस दौरान कुछ मैच ऐसे भी हुए जिनमें टीमों ने अपने प्रदर्शन से क्रिकेट फैंस को हैरान कर दिया। जबकि कुछ मैच ऐसे हुए जिनमें टीमें उम्मीदों पर खरी नहीं उतरीं। इस विश्व कप में अगर देखा जाए तो बल्लेबाजों से ज्यादा गेंदबाज कारगर साबित हुए हैं जिन्होंने अपनी सूझबूझ गेंदबाजी के चलते अपनी टीम को जिताया है। इस विश्व कप में कौन सबसे ज्यादा विकेट लेगा और कौन सबसे ज्यादा रन बनाएगा इस पर चर्चा हो रही है। लेकिन इस बीच इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने उन दो क्रिकेटरों को लेकर भविष्यवाणी की है जो इस विश्व कप में अपने-अपने क्रम में शीर्ष पर रहने वाले हैं। रोहित बनाएंगे सबसे ज्यादा रनकेविन पीटरसन ने बेटवे इनसाइडर के लिए लिखे आर्टिकल में कहा, टी-20 विश्व कप में सबसे अधिक रन भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के बल्ले से निकलेंगे। पीटरसन के मुताबिक, हिटमैन रोहित हर प्रारूप में और हर कंडीशन में शानदार रन बनाने वाले क्रिकेटर हैं, जिस तरह की निरंतरता उनके पास है उसे देखकर ऐसा नहीं लगता कि रोहित टी-20 विश्व कप में रन बनाने के लिए संघर्ष करेंगे, हम सब जानते हैं कि पारी की शुरुआत में बैटिंग करना सबसे अच्छा होता है, मुझे यकीन है कि मेरी यह बात सही साबित होगी। शाहीन अफरीदी लेंगे सबसे ज्यादा विकेटइंग्लैंड के पूर्व कप्तान के मुताबिक, पाकिस्तान के फास्ट बॉलर शाहीन अफरीदी टी-20 विश्व कप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज होंगे। केविन पीटरसन के मुताबिक, शाहीन एक मुख्य वजह है जिसके चलते मुझे लगता है कि पाकिस्तान बेहतर प्रदर्शन करेगा, वह नई गेंद से शानदार गेंदबाजी करते हैं, मुझे उम्मीद है कि वह कई टीमों के शीर्ष क्रम को तहस नहस करेंगे। इसके अलावा पीटरसन ने अपनी भविष्यवाणी में कहा कि ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहेंगे। रोहित-शाहीन टॉप-20 से बाहरटी-20 विश्व कप में देखा जाए तो रोहित शर्मा अभी एक भी रन नहीं बना पाए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मैच में हिटमैन खाता भी नहीं खोल पाए थे। वही, शाहीन अफरीदी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में 27वें नंबर पर हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ उलटफेर के इरादे से उतरेगा अफगानिस्तान, जीता तो ग्रुप में पहला स्थान तय

टी-20 वर्ल्डकप 2021 में आज पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच मैच खेला जाएगा। ये दोनों टीमें यह मैच जीतकर दूसरे ग्रुप में टॉप पर पहुंचने की कोशिश करेंगी। हालांकि, अफगानिस्तान टीम छोटी टीमों में गिनी जाती है, लेकिन क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में अफगानिस्तान किसी भी बड़ी टीम से कमतर नहीं है। अफगान खिलाड़ी किसी भी दिन किसी भी बड़ी टीम को मात देने का माद्दा रखते हैं। खासकर दुबई की धीमी पिच अफगानिस्तान के खिलाड़ियों को रास आती है। इससे पहले ये दोनों टीमें सिर्फ एक बार आमने-सामने हुई हैं। 2013 में पाकिस्तान ने छह विकटे से अफगानिस्तान को हराया था। हालांकि यह मैच सिर्फ एक गेंद रहते खत्म हुआ था। टू-20 वर्ल्डकप में दूसरे ग्रुप की बात करें तो अभी अफगानिस्तान की टीम दूसरे नंबर पर है और पाकिस्तान पहले नंबर पर है। ये दोनों टीमें इस टूर्नामेंट में अब तक कोई मैच नहीं हारी हैं। पाकिस्तान ने भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ दो अहम मैच जीते हैं तो पाकिस्तान ने स्कॉटलैंड को 130 रनों के बड़े अंतर से हराया था और उसका रन रेट +6.50 का है। सात साल पुरानी हार का बदला लेना चाहेगी अफगान टीमअफगानिस्तान के खिलाड़ी साल 2013 में मिली हार का बदला लेना चाहेंगे, जब पाकिस्तान ने उन्हें छह विकेट से हराया था। इस मैच में अफगानिस्तान के बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर पाए थे और सिर्फ 137 रन ही बना पाए थे, लेकिन इस साल इस टीम के बल्लेबाज अच्छी लय में हैं और बड़ा स्कोर बना सकते हैं। वहीं पाकिस्तान के गेंदबाजों ने 2013 में 137 रनों के स्कोर में ही मैच फंसा दिया था और पाकिस्तान को आखिरी ओवर में जीत मिली थी। ऐसे में अफगान टीम इस साल इतिहास बदल सकती है। दूसरे ग्रुप में पहले स्थान पर है पाकिस्तानअंकतालिका की बात करें तो पाकिस्तान की टीम पहले और अफगानिस्तान की टीम दूसरे स्थान पर हैं।

पाकिस्तान ने दो मैचों में दो जीत दर्ज की हैं और चार अंकों के साथ टेबल में पहले स्थान पर काबिज है।

वहीं अफगानिस्तान ने एकमात्र मैच में स्कॉटलैंड के खिलाफ बड़ी जीत हासिल की थी और दो अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। अफगानिस्तान यह मैच जीतती है तो बेहतर रन रेट के आधार पर वह पहले स्थान पर आ जाएगी। वहीं पाकिस्तान की टीम के जीतने पर वह पहले स्थान पर बरकरार रहेगी।

BAN vs WI T20-वेस्टइंडीज के खिलाफ 'करो या मरो वाले' मैच में मांजरेकर ने बांग्लादेश को चेताया, कहा- बचके रहिए

आईसीसी टी-20 विश्व कप में आज पहला मुकाबला बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के दरम्यान यह मैच शारजाह में होगा। सेमीफाइनल में जाने की उम्मीद बनाए रखने के लिए यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए अहम है।

बांग्लादेश और वेस्टइंडीज की टीमें लगातार अपने 2-2 मैच हार चुकी हैं। इस मुकाबले में हारने वाली टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद खत्म हो जाएंगी। वहीं भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने बांग्लादेश को वेस्टइंडीज से सावधान रहने की चेतावनी दी है। करो या मरो वाला मैचवेस्टइंडीज और बांग्लादेश के बीच खेले जाने वाले मैच को लेकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने बयान दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया KOO के जरिए बांग्लादेश के चेताते हुए कहा, वेस्टइंडीज की बैटिंग में गजब की गहराई है, पिछले मैच में हेटमायर सात नंबर पर और ब्रावो आठ नंबर पर बैटिंग करने आए थे, बचके रहिए। कुल मिलाकर दोनों टीमों के लिए यह करो या मरो वाला मैच है।

वेस्टइंडीज की प्रतिष्ठा दांव परटी-20 विश्व कप में कीरोन पोलार्ड की कप्तानी वाली वेस्टइंडीज की टीम को अब तक हार का सामना करना पड़ा है। कैरेबियाई टीम को पहले इंग्लैंड ने हराया फिर दक्षिण अफ्रीका ने मात दी। टी-20 क्रिकेट की स्पेशलिस्ट मानी जाने वाली कैरेबियाई टीम की प्रतिष्ठा इस विश्व कप में दांव पर है क्योंकि वह मौजूदा चैंपियन है।

देश परदेश

ब्रिटेन-अदालत ने विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे की प्रत्यर्पण अपील पर फैसला टाला

लंदन में दो दिन की सुनवाई पूरी होने के बाद जूलियन असांजे के वकीलों ने गुरुवार को ब्रिटेन से प्रत्यर्पित किए जाने पर विकीलीक्स के संस्थापक के इलाज का इंतजार कर रहे अमेरिकी आश्वासन को खारिज कर दिया।ब्रिटेन के हाईकोर्ट ने कहा कि वह अगली तारीख में अपना फैसला सुनाएगा, जब वाशिंगटन ने निचली अदालत के उस फैसले के खिलाफ अपील की थी कि असांजे के प्रत्यर्पण को वर्गीकृत दस्तावेजों के बड़े पैमाने पर लीक से संबंधित अमेरिका द्वारा लगाए गए कई आरोपों का सामना करने के लिए अवरुद्ध किया जाए।मध्य लंदन की अदालत में अमेरिकी अपील पर सुनवाई कर रहे दो न्यायाधीशों में से एक इयान बर्नेट ने कहा कि 'आपने हमें सोचने के लिए बहुत समयि दया है लेकिन हम अपना निर्णय सुनाने के लिए अभी और अभी समय लेंगे।'असांजे के वकीलों ने तर्क दिया कि अगर अमेरिका को प्रत्यर्पित किया जाता है तो वह आत्महत्या का जोखिम बना रहता है, नए आश्वासनों के बावजूद कि उन्हें "सुपरमैक्स" संघीय जेल में अलग से सजा नहीं दी जाएगी।असांजे का प्रतिनिधित्व करने वाले मार्क समर्स ने तर्क दिया कि अमेरिका द्वारा दिए जा रहे आश्वासनों पर विश्वास नहीं करने के पीछे कई वास्तविक प्रश्न हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का असांजे के प्रति "जुनून" उनमें से एक है।समर्स ने कहा कि ताजा रिपोर्ट्स है कि सीआईए ने लंदन में इक्वाडोर के दूतावास से असांजे का अपहरण करने और उन्हें जहर देने की साजिश रची थी। संभावित रूप से यह किसी चीज का केवल वह भाग जिसे आसानी से देखा जा सकता है, लेकिन बाकी का नहीं, जो छिपा हुआ है।अमेरिका ने फैसले को बदलने का किया था आग्रहअमेरिका ने ब्रिटेन के हाईकोर्ट से बुधवार को विकीलीक्स संस्थापक जूलियन असांजे के प्रत्यर्पण संबंधी एक न्यायाधीश के फैसले को बदलने का आग्रह किया था। न्यायाधीश ने असांजे को जासूसी के आरोपों का सामना करने के लिए अमेरिका नहीं भेजने का फैसला सुनाया था। अमेरिका ने वादा किया कि दोषी साबित होने पर असांजे अपने मूल देश आस्ट्रेलिया में सजा काट सकेंगे।विकीलीक्स के संस्थापक पर है जासूसी का आरोपजिला जज वानेसा बैरेट्सर ने जनवरी में स्वास्थ्य आधार पर प्रत्यर्पण की अनुमति देने से इनकार करते हुए कहा था कि असांजे को अगर अमेरिका की जेल में कठिन हालात में रखा गया तो वह आत्महत्या कर सकते हैं। मामला एक दशक पुराना है और गोपनीय सैन्य दस्तावेजों के विकीलीक्स द्वारा प्रकाशन से जुड़ा है। असांजे पर जासूसी के आरोप लगाए गए हैं। अमेरिकी सरकार की तरफ से पेश वकील जेम्स लेविस ने जिला जज के फैसले को गलत बताया था।उन्होंने बचाव पक्ष की इन दलीलों को खारिज कर दिया कि असांजे राजनीतिक रूप से प्रेरित अमेरिकी अभियोजन का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी न्याय प्रणाली में उनके मामले में निष्पक्ष सुनवाई होगी। अमेरिका के अधिकारियों ने वादा किया था कि असांजे पर किसी उच्चस्तरीय सुरक्षा वाली 'सुपरमैक्स' संघीय जेल में मुकदमा नहीं चलेगा।

बांग्लादेश-सांप्रदायिक तनाव पर विदेश मंत्री ने तोड़ी चुप्पी, बोले- नहीं तोड़ा गया कोई मंदिर और ना हुई रेप की घटना

बांग्लादेश में दुर्गा पूजा के दौरान पंडालों और मंदिरों में हुई हिंसा को लेकर मीडिया में चल रही खबरों पर यहां के विदेश मंत्री ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने सांप्रदायिक हिंसा वाली सभी खबरों को प्रोपगेंडा का हिस्सा करार दिया है। विदेश मंत्री डॉ. एके अब्दुल मोमेन ने बताया कि हाल में हुई हिंसा में सिर्फ 6 लोगों की मौत हुई थी। इसमें 4 मुस्लिम समुदाय से थे और दो हिंदू समुदाय के लोग थे। एक हिंदू की मौत सामान्य तौर से हुई थी, जबकि दूसरे हिंदू की मौत तालाब में छलांग लगाने से हुई। हिंसा के दौरान न तो किसी मंदिर को नुकसान पहुंचाया गया और न ही किसी महिला के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। इस तरह की खबरें पूरी तरह से निराधार और भ्रामक है।उन्होंने कहा "कुछ उत्साही मीडिया" और सोशल मीडिया पर इस तरह की कहानी फैलाई गई।यह धार्मिक सद्भाव के लिए प्रतिबद्ध सरकार को शर्मिंदा करने के लिए किया गया था। विदेश मंत्री डॉ. एके अब्दुल मोमेन ने यह भीजोर दिया कि हाल के वर्षों में, बांग्लादेश में हर जगह पूजा मंडपों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है क्योंकि सरकार उनके लिए पैसा देती है। मुठभेड़ के दौरान 6 लोगों की हुई थी मौतसमाचार एजेंसी एएनआई ने हाल में हुई सांप्रदायिक हिंसा की घटनाओं को लेकर बांग्लादेश के विदेश मंत्री डॉ. एके अब्दुल मोमेन का बयान जारी किया।बयान में विदेश मंत्री मोमेन ने कहा, 'सभी चल रहे प्रचारों के विपरीत हाल की हिंसा के दौरान केवल 6 लोग मारे गए। पुलिस मुठभेड़ के दौरान 4 मुस्लिम और 2 हिंदू भी मारे गए थे. इनमें से एक की मौत सामान्य थी, जबकि दूसरे ने तालाब में कूदकर जान गंवाई.य हिंसक घटनाओं के दौरान किसी का रेप नहीं हुआ और न ही किसी मंदिर को नष्ट किया गया। उन्होंने कहा कि कुछ मूर्तियों को तोड़ा गया है।

सराहनीय-अमेरिका ने 110 करोड़ रुपये की प्राचीन वस्तुएं भारत को लौटाईं

अमेरिका ने बृहस्पतिवार को भारत को 248 प्राचीन बहुमूल्य वस्तुएं भारत को लौटा दीं जिनका मूल्य करीब डेढ करोड़ डॉलर यानी 110 करोड़ रुपये होता है। इन बहुमूल्य वस्तुओं में 12वीं सदी की नटराज की कांस्य प्रतिमा भी है।ये असाधारण वस्तुएं पिछले एक दशक में पांच अलग-अलग आपराधिक जांचों के दौरान एकत्र हुई हैं। मैनहट्टन के डिस्ट्रिक्ट अटार्नी साए वेन्स जूनियर ने एक बयान में कहा कि ये वस्तुएं प्राचीन और आधुनिक भारत के बीच एक कालातीन सांस्कृतिक और लौकिक पुल की तरह हैं।उन्होंने कहा, भारत के महावाणिज्यदूत रणधीर जायसवाल और अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन के डिप्टी स्पेशल एजेंट इंचार्ज एरिक रोजेनब्लेट की मौजूदगी में एक समारोह में ये 248 वस्तुएं भारत वापस ले जाने के लिए सौंप दी गई।इस अवसर पर जायसवाल ने मैनहट्टन डिस्ट्रिक्ट अटार्नी को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। वेन्स ने कहा कि भारत को सौंपी गई प्राचीन वस्तुओं की ये अब तक की सबसे बड़ी संख्या है।उन्होंने ये भी कहा कि ये समारोह उन लोगों को ये बताने का एक संभावित तरीका है कि निजी लाभ के लिए पवित्र मंदिरों से मूर्तियां चुराना सिर्फ देश के प्रति नहीं बल्कि देश के वर्तमान और भविष्य के प्रति भी अपराध है।इन 248 वस्तुओं में 235 जेल में बंद आर्ट डीलर सुभाष कपूर से बरामद की गई हैं। कपूर और उसके सहयोगी भारत से चुराई चीजें मैनहट्टन लाकर कपूर के मेडिसन एवेन्यू स्थित गैलरी के जरिये बेचते थे।होमलैंड सिक्योरिटी न्यूयॉर्क के कार्यकारी स्पेशल एजेंट इंचार्ज रिकी पटेल ने कहा कि ये सभी वस्तुएं भारत की व्यापक सांस्कृति विरासत का हिस्सा हैं और वो भारत के लोगों के पास वापस जा रही हैं।

डायरेक्टर मुकेश आरके चौकसे की फिल्म और धारावाहिक " भगवान श्री राजराजेश्वर सहस्रबाहुर्जुन जी " कि रिकार्डिंग सिंगर सुरेश वाडकर की आवाज मे

डायरेक्टर मुकेश आरके चौकसे की फिल्म और धारावाहिक " भगवान श्री राजराजेश्वर सहस्रबाहुर्जुन जी " कि रिकार्डिंग वर्ड फेमस बॉलीबुड सिंगर सुरेश वाडकर की आवाज मे आज दशहरे के शुभ मुहूर्त मै सुरेश वाडकर के स्टूडियो मै हुआ अटल गुप्ता, एस सी जायसवाल, एड. नीलेश पावसकर,डॉ संतोष जायसवाल, राहुल पारेता, दिपक जुगलकिशोर जी चौकसे, त्रिलोकनाथ जसयसवाल आदि थे,संगीत - नसराज घिमिरे , गीत-सूरज नागर, मुकेश चौकसे और कलाकार - सुमन तलवार, प्रीती चौकसे है. फ़िल्म और धारावाहिक विश्वविजेता चक्रवर्ती सम्राट कार्तिवीर भगवान श्री राजराजेश्वर सहस्रबाहुर्जुन जी कि जय फ़िल्म { 2 घंटे 15 मिनिट } और धारावाहिक { 200 एपिसोड पर एपिसोड 1घंटे } " भगवान श्री सहस्रबाहुर्जुन जी " और " श्री बलभद्र जी " के लिए आरती,चालीसा, स्त्रोत, मन्त्र, श्लोक का रिकार्डिंग वर्ड फेमस बॉलीबुड सिंगर सुरेश वाडकर जी कि आवाज़ मै आज दिनांक 15 अक्टूबर 2021,शुक्रवार,सुबह 11 : 30 बजे बजे,अश्विन शुक्ल दशमी,दशहरे पर शुभ मुहूर्त मै किया गया है,एक्टर, डायरेक्टर - मुकेश आरके चौकसे, सिंगर - सुरेश वाडकर, संगीत - नसराज घिमिरे, गीतकार - ब्रह्मलीन श्री खचूराम चौकसे, सूरज नागर, मुकेश आरके चौकसे, सहा.निर्देशक - नितिन चौकसे,आर्टिस्ट- सुमन तलवार साऊथ { शिवाजी द बॉस रंजनीकांत, गब्बर द बेक अक्षय कुमार }, प्रीती चौकसे, गोविंदा, रंजीत, शक्ति कपूर,आदि फ़िल्म कि शूटिंग 11 नवम्बर के बाद महेश्वर, इंदौर, जबलपुर, खंडवा, बुरहानपुर, भोपाल मै होंगी.

भरत सुम्बद के वोमेन्स वियर के स्टोर "रसाया" की सांताक्रुज में ग्रैंड ओपनिंग

सुनील पाल, अरुण बख्शी, ऐक्ट्रेस ज्योति सक्सेना, किशोरी शहाणे, लीना कपूर और रॉनी रॉड्रिग्स ने किया होस्ट

भरत सुम्बद के ब्रांड न्यू स्टोर के लॉन्च पर सुनील पाल, अरुण बख्शी, ऐक्ट्रेस ज्योति सक्सेना, किशोरी शहाणे, लीना कपूर रहे गेस्ट

मुम्बई के सांताक्रुज में भरत सुम्बद के ब्रांड न्यू स्टोर "रसाया" की ग्रैंड ओपनिंग २१ अक्टूबर को हुई तो यहां फिल्मी हस्तियों सहित कई मेहमान हाजिर रहे। यह ग्रैंड ओपनिंग का फंक्शन रॉनी रॉड्रिग्स (सिनेबस्टर मैगज़ीन) द्वारा होस्ट किया गया जहां मीडिया की भी भारी संख्या मौजूद थी। एथनिक वोमेन्स वियर के स्टोर रसाया के लॉन्च के इस अवसर पर कामेडियन सुनील पाल, एक्टर सिंगर अरुण बख्शी, ऐक्ट्रेस ज्योति सक्सेना, किशोरी शहाणे, लीना कपूर भी उपस्थित रहे। सभी ने यहां भरत जी को बधाई और शुभकामनाएं दीं। भरत जी ने यहां मीडिया के सामने बताया कि रसाया स्टोर में महिलाओं के लिए एक्सकलुसिव कपडे मौजूद हैं। यहां सलवार कमीज, साड़ी, गाउन, लहंगा चोली सहित तरह तरह के ब्राइडल ड्रेस भी मौजूद हैं। आपको बता दें कि यह रसाया स्टोर सांताक्रुज वेस्ट मुम्बई के एसवी रोड पर विक्टोरिया प्लाजा, कोरा स्टोर के करीब मौजूद है।

कॉमेडियन सुनील पाल ने यहां रसाया स्टोर के उद्घाटन के अवसर पर भरत जी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यहाँ बेहतरीन कपड़ों का शानदार कलेक्शन है। अब शादी और त्योहार का मौसम आ रहा है ऐसे में इस तरह के स्टोर का सांताक्रुज जैसे इलाके में खुलना ग्राहकों के लिए बड़ा उपहार है। मुझे लगता है कि यहां इतने अच्छे कपडे हैं कि औरतों को सभी कपड़े पसन्द आएंगे।

अरुण बख्शी ने कहा कि भरत जी को इन कपड़ों के क्षेत्र में ४० साल का अनुभव है। उन्होंने रसाया जैसा बेहतरीन स्टोर शुरू किया है जहां काफी खूबसूरत डिजाइन्स हैं। यहां का माहौल भी काफी पॉज़िटिव है। अब शादी का सीजन शुरू हो रहा है मुझे उम्मीद है कि लोग यहां से खूब कपड़े लेंगे। इस अवसर पर अरुण बख्शी ने रंग बरसे और टुन्ना टुन्ना जैसे गीत भी गाए।

ऐक्ट्रेस ज्योति सक्सेना ने यहां कहा कि रसाया का कलेक्शन शानदार है। शादी सीज़न चल रहा है, ऐसे अवसर पर इस तरह के स्टोर को लांच करके भरत जी ने एक बेहतर शुरुआत की है। मुझे यहां एक से बढ़कर एक ड्रेस और कॉस्ट्यूम लगे और सभी एक्सकलुसिव कपड़े हैं। मैं सभी से यहां विज़िट करने की अपील करूँगी।

आपको बता दें कि सिनेबस्टर मैगज़ीन प्राइवेट लिमिटेड के चीफ रॉनी रॉड्रिग्स द्वारा मुम्बई में रसाया की ओपनिंग फंक्शन को होस्ट किया गया।

रमाकांत मुंडे ने इस शानदार इवेंट के प्रचार प्रसार की जिम्मेदारी बखूबी निभाई। मुंडे मीडिया के अंतर्गत उन्होंने इस भव्य आयोजन को सफलतापूर्वक कवर किया। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया से लेकर कई फोटोग्राफर्स द्वारा इस ग्रैंड ओपनिंग इवेंट का अद्भुत कवरेज किया गया।

राज की बात खुल्लम-खुल्ला

मुंबई, शिल्पा शेट्टी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियों में रहा, जिसमें वे गर्दन से ऊपर के हिस्सों के बालों को मुड़वाती दिखी थीं। इतने बड़े स्टार का ऐसा पैâसला लेना हर किसी को हैरान कर रहा था। अब चर्चा है कि इस अजीब हेयरकट के पीछे एक बड़ी वजह थी, जो राज कुंद्रा से जुड़ी है। तब शिल्पा के इस हेयरस्टाइल को देखकर हर कोई हैरान रह गया था। शिल्पा ने हेयर कट वाला यह वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर भी शेयर किया था। इस वीडियो में ट्रिमर से उनकी गर्दन से ऊपर के बाल हटा दिए गए हैं। हालांकि, ऐसा करवाकर शिल्पा बेहद खुश भी नजर आईं और उन्होंने लंबा-चौड़ा नोट भी शेयर किया था। अब इस अजीब हेयरकट के पीछे की वजह सामने आ रही है। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि शिल्पा ने कोई मन्नत रखी थी। कहा जा रहा है कि पोर्न केस में फंसे पति राज कुंद्रा के जमानत पर बाहर आने के लिए शिल्पा ने यह मन्नत रखी थी कि वह अपने सिर के एक हिस्से के बालों को मुंडवा लेंगी। और जैसे ही राज बाहर आए, शिल्पा ने अपनी मन्नत पूरी करते हुए बालों को मुंडवा लिया। शिल्पा ने अपना यह वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, 'आप रिस्क लिए बिना और अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकले बिना हर दिन नहीं जी सकते!'

मुंबई, 'बिग बॉस' फेम अली गोनी के भाई अर्सलान गोनी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से सुजैन के साथ एक तस्वीर शेयर की है और बड़े अनोखे अंदाज में उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। बात इतनी सीधी नहीं है। असल में अर्सलान और सुजैन के डेटिंग की खबरें कई बार आ चुकी हैं। दोनों की रिलेशनशिप की अफवाह भी उड़ चुकी है मगर इस बर्थडे विश के बाद से दोनों के रिश्ते पर सवाल पूछे जा रहे हैं। अर्सलान ने फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, `हैप्पी बर्थडे डार्लिंग। मैं प्रार्थना करता हूं कि आपका साल शानदार और आपकी जिंदगी खुशहाल रहे!' अर्सलान की इस पोस्ट ने उनके रिलेशनशिप वाली बातों को और हवा दे दी है। यही नहीं, सुजैन ने भी पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, `मेरा सब कुछ होने के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया!' अर्सलान के इस पोस्ट पर लोग जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। बता दें कि सोशल मीडिया पर दोनों की बातचीत से ऐसा कई बार लगता है कि दोनों काफी क्लोज हैं। दोनों कई पार्टीज में भी साथ नजर आते हैं। खैर, अब इस रिश्ते की सच्चाई वक्त ही बताएगा!

वेब सीरीज में काम नहीं करेंगे नवाजुद्दीन सिद्दीकी, फैसले की बताई यह वजह

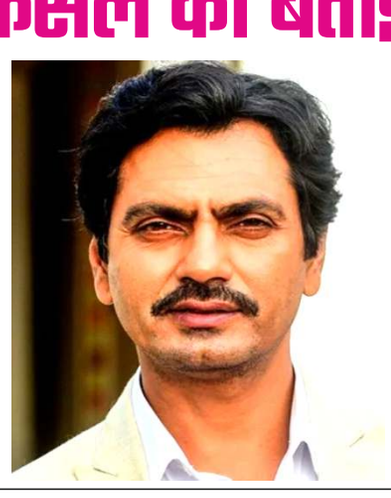

नेटफ्लिक्स की मशहूर वेब सीरीज सेक्रेड गेम्स के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करने वाले नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी की अदाकारी को लोगों ने काफी पसंद किया था। साल 2018 में आई इस सीरीज के पहले भाग को दर्शकों का काफी प्यार मिला था। वहीं, साल 2020 में आए इसके दूसरे भाग को भी दर्शकों ने काफी सहारा था। इस सीरीज के बाद अभिनेता डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं। इन फिल्मों में रात अकेली है, घूमकेतु और सीरियस मैन जैसी फिल्में शामिल है। वहीं, बीते कुछ समय से नवाजुद्दीन खुले तौर पर ओटीटी कंटेंट को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। दरअसल, अभिनेता ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सीरीज के गिरते स्तर पर को लेकर अपनी चिंता व्यक्त कर चुके हैं। ऐसे में अब नवाजुद्दीन ने बड़ा खुलासा करते हुए यह बताया कि वह अब वेब सीरीज के लिए काम नहीं करेंगे। एक न्यूज वेबसाइट से बात करते हुए एक्टर ने कहा, "यह मंच अनावश्यक शो के लिए डंपिंग ग्राउंड बन गया है।

मिस्टर एंड मिस इंडिया ग्रैंड फिनाले में लिटिलस्टार भौत्तिक सम्मानित

मुंबई , फाइव स्टार होटल का पार्टी हॉल रंग बिरंगी रौशनी की चकाचोंध के बीच जमी पर उतरे सितारे अवसर था मिस्टर एंड मिस इंडिया ग्रैंड फिनाले का जिसका भव्य आयोजन यहाँ होटल आर्किड में हुआ।

आयोजन में बड़े सितारों के बीच इंटरनेशनल आइडल लिटिल स्टार भौत्तिक का सम्मान किया गया।

एनिग्मा इवेंट मॅनेजमेंट के सीईओ एवं शो के डायरेक्टर दीपक चतुर्वेदी ने बताया कि फिनाले में बॉलीवुड सितारे शहबाज़ खान, अर्शी खान, देव शर्मा, रूषाद राना , सलमान शेख, डॉली धनोआ लिटिल स्टार भौत्तिक , निकिता रावल, आकाश डडलानी ,कीर्ति वर्मा, पायल घोष का विशेष सम्मान किया गया।

सितारों से सजी इस रंगारंग शाम में बॉलीवुड सेलिब्रिटी फैशन डिज़ाइनर स्नेहा गोगोई के तैयार किये परिधानों पर फिल्मी सितारों नेरैंप वॉक किया।

शो स्टॉपर वॉक में रीवा अरोरा और लिटिल स्टार भौत्तिक ने उपस्थित मेहमानों सहित ज्यूरी की तालियाँ बटोरी।

ग्रैंड फिनाले की ज्यूरी में कई बड़े नाम शामिल थे जिसमे ऑथर ,इंटरनेशनल स्पीकर डॉ. परिन सोमानी, फिल्म एवं टीवी आर्टिस्ट डॉली धनोआ प्रमुख थे।

ग्रैंड फिनाले में विजेता प्रतीक सलूजा और शालिनी सिंह रहे जिन्हे मिस्टर एवं मिस इंडिया के ख़िताब से सम्मानित किया गया।

शो के फैशन कोरिओग्राफर सिद्धार्त बर्मन थे जबकि मंच संचालन एंकर लक्की तरार और शो प्रबंधन वसीम सिद्दीकी व नज़मा शेख ने बखूबी किया।

कोविड गाइड लाइन की पालना के चलते सिर्फ प्रतिभागी और विशिष्ट अतिथियों को ही आमंत्रित किया गया।

विवादों में घिर रहे स्टारकिड्स पर विवेक वासवानी ने दिया रिएक्शन, बोले- 'आर्यन को शाहरुख की सफलताओं का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है'

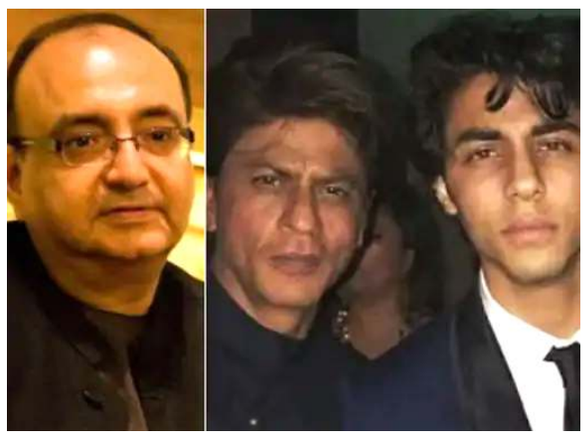

शाहरुख खान इन दिनों बेटे आर्यन खान के ड्रग केस में फंसने के बाद से ही ट्रोलिंग का शिकार हो गए हैं। इसी बीच उनके साथ जोश, राजू बन गया जेंटलमैन और किंग अंकल जैसी फिल्मों में काम कर चुके विवेक वासवानी उनके बचाव में आए आए हैं। विवेक ने भास्कर से बातचीत के दौरान स्टारकिड्स कॉन्सेप्ट, आउटसाइडर्स और शाहरुख खान के मौजूदा विवाद पर अपना रिएक्शन दिया है-

जिस तरह एक रेस्टोरेंट खोलने के लिए आपको न केवल खाना बनाना आना चाहिए, इसी तरह स्टार बनने के लिए, आपको केवल यह जानने की जरूरत नहीं है कि कैसे अभिनय करना है, आपको उद्योग में कैसे टिके रहना है इसकी भी जरूरत है। इंडस्ट्री में रहने के लिए आपको नंबर, वितरण, प्रदर्शनी, मार्केटिंग जानने की जरूरत है, जो स्टार किड्स जानते हैं और न्यूकमर्स नहीं। इसलिए नेपोटिज्म का रिश्तों से कोई लेना-देना नहीं है और इस तथ्य से भी कि स्टार किड्स प्रोफेशनल बच्चे हैं न कि शौकिया।आइए समझते हैं कि एक स्टार किड का कॉन्सेप्ट क्या है। कोई है जिसके पैरेंट्स बॉलीवुड का अभिन्न अंग हैं तो वह किसी अभिनेता या निर्माता या निर्देशक आदि की संतान होगा। जैसे एक डॉक्टर का बेटा अपने पिता के दोस्तों को घर के अंदर और बाहर आते और दवा पर चर्चा करते हुए देखता है, एक के रूप में क्रमबद्ध करें स्टार किड अपने माता-पिता के दोस्तों को घर के अंदर और बाहर आते और व्यापार और सिनेमा और संख्या और वितरण पर बात करते हुए देखता है। इसलिए जब तक कोई स्टॉक लॉन्च होने के लिए तैयार होता है, तब तक वो पहले से ही हर चीज के लिए तैयार होता है और न्यूकमर्स से रैंक में ऊपर होता है।

ये सिर्फ बिजनेस में एंट्री के बारे में है, कुछ सफल होते हैं कुछ नहीं, और हां ज्यादातर स्टार किड्स को कभी न कभी माता-पिता की सफलताओं और असफलताओं का खामियाजा भुगतना पड़ता है, लेकिन यह कॉर्पोरेट बच्चों के राजनेताओं बच्चों और उद्योगपतियों के बच्चों पर भी लागू होता है। बॉलीवुड के बच्चे ही नहीं। बच्चों को अपने माता-पिता के जीवन और काम के लिए यही कीमत चुकानी पड़ती है

बेशक ईर्ष्या हमेशा रहेगी, माता-पिता जितने सफल रहेंगें, बच्चों को उतनी ही ज्यादा ईर्ष्या का सामना करना पड़ेगा। यह मानव स्वभाव है और इसका केवल बॉलीवुड से ही नहीं बल्कि हर दूसरे सफल व्यक्ति से लेना-देना है, जिसके बच्चे हैं।

क्या कोई स्टार किड माता-पिता से बड़ा हो सकता है?

सलमान खान को देखिए, ऋतिक रोशन और कई अन्य लोगों को देखिए। अधिकांश स्टार किड्स ने अपने माता-पिता को पीछे छोड़ दिया है, लेकिन दुर्भाग्य से कुछ ने ऐसा नहीं किया। उदाहरण के लिए अभिषेक बच्चन से लोगों की उम्मीदें बहुत ज्यादा थीं और की तरह से अभिषेक बच्चन ने काफी सफलता हासिल की है लेकिन अमिताभ बच्चन की तुलना में वो हमेशा से ही कम रहेंगे।

हां स्टार किड्स इस बात के लिए तैयार हैं कि किसी समय वे और उनके माता-पिता विवादों के बीच में होंगे और यही वह कीमत है जो वे जीवन शैली और पैसे और प्रसिद्धि और ग्लैमर के लिए चुकाते हैं। नए बच्चे आश्चर्यजनक रूप से इसके बारे में बहुत ही कैजुअल हैं कि यदि वे सोशल मीडिया पर बॉलीवुड और हॉलीवुड में दूसरों के बारे में पढ़ सकते हैं तो वो खुद के बारे में भी पढ़े जाने के लिए तैयार हैं।

एक स्टार किड को सबसे अच्छा घर, सबसे अच्छा खाना, सबसे अच्छे कपड़े, सबसे अच्छी विदेशी छुट्टियां, सबसे अच्छी कार और बेहतरीन लाइफस्टाइल मिलती है, अगर कोई विवाद है तो वे भी खराब प्रचार या बदतर होंगे। और यही वो चीज हैं जिसकी कीमत एक स्टारकिड को चुकानी पड़ती है।

शाहरुख खान एक बाहरी व्यक्ति थे लेकिन वह देश के सबसे बड़े स्टार बन गए और निश्चित रूप से आर्यन खान को अपने पिता की सफलता का खामियाजा भुगतना पड़ेगा, इसलिए चाहे वह स्टार बाहरी हो या अंदरूनी, विवाद बच्चे को समान रूप से प्रभावित करेगा।

आर्किटेक्चर स्कूलों में नासा (NASA, INDIA) प्रतियोगिताएं

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स ऑफ आर्किटेक्चर (NASA, INDIA) दुनिया के सबसे बड़े वास्तुशिल्प छात्र संगठनों में से एक है, जिसमें पूरे भारत और दुनिया भर के देशों के तीन सौ से अधिक कॉलेजों के छात्र प्रतिभागी हैं। NASA, INDIA का मुख्य उद्देश्य वास्तुकला के छात्रों को सीखने और बातचीत करने के लिए एक मंच तैयार करना है, उन्हें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्लेटफार्मों के माध्यम से जोड़ना है। नासा इंडिया कार्यक्रम, सम्मेलन, सेमिनार, कार्यशालाएं, डिजाइन प्रतियोगिताएं और ट्राफियां, और कई अन्य गतिविधियों का आयोजन करता है NASA, आर्किटेक्ट एक साथ आ सकते हैं, सीख सकते हैं और दुनिया पर एक बड़ा सकारात्मक प्रभाव पैदा कर सकते हैं, और गतिविधियों के माध्यम से लिए प्रयास कर सकते हैं। 1957 में इसकी स्थापना के बाद से लाखों छात्र नासा इंडिया के समृद्ध इतिहास के अनुभव से गुजरे हैं। आज, NASA, भारत छात्रों को समृद्ध सीखने का अनुभव प्रदान करने के साथ; यह देश भर के छात्रों को कॉलेज शामिल हैं। नासा, भारत एक गैर-लाभकारी और गैर-राजनीतिक संघ है जो सोसायटी के अधिनियम 1860, 24786 राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र नई दिल्ली के तहत पंजीकृत है।, (NASA, INDIA) का मुख्यालय वर्तमान में आर्किटेक्चर विभाग, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, नई दिल्ली में स्थित है। पूरे भारत के संस्थानों के छात्र व्यावसायिक रूप से प्रतिस्पर्धा करते हैं और

भी जोड़ रहा है और छात्र समुदाय की आवाज उठा रहा है। एसोसिएशन का उद्देश्य विभिन्न सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले देश भर के छात्रों के लिए सीखने और बातचीत के लिए एक मंच प्रदान करना है। NASA, भारत में भौगोलिक रूप से 6 क्षेत्रों में विभाजित 300 से अधिक प्रविष्टियों का मूल्यांकन राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है। अधिक जानकारी के लिए कृपया www.nasaindia.co या ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग की वेबसाइट tsapmumbai.in पर जा सकते हैं।

पाकिस्तान की जीत पर घाटी में मनाई गई थीं 'खुशियां; मचा बवाल'....राजनैतिक दलों के बाद आतंकी भी मैदान में

जम्मू. आईसीसी टी-२० विश्वकप का घमासान शुरू है। इस टूर्नामेंट में २४ अक्टूबर को दुनिया के दो चिर प्रतिद्वंद्वी हिंदुस्थान और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट जगत का महासंग्राम हुआ। इस महासंग्राम में पाकिस्तान ने हिंदुस्थान पर जीत हासिल करके इतिहास रच दिया। इस जीत के बाद पाकिस्तान में तो जश्न मना ही लेकिन हिंदुस्थान के कश्मीर घाटी में भी खुशियां मनाई गई थीं। घाटी में मनाई गई खुशियों से जमकर बवाल मच गया है। हद की बात तो ये है कि इसमें राजनैतिक दलों के बाद अब आतंकी भी मैदान में उतर गए हैं।

बता दें कि इस मामले पर महबूबा मुफ्ती, डॉ. फारूक अब्दुल्ला और सज्जाद गनी लोन के साथ भाजपा के कई जम्मू बेस्ड नेता आमने-सामने आ चुके हैं। यही नहीं जम्मू में इन छात्रों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए विरोध प्रदर्शन भी हो चुके हैं और अब आतंकी गुट द्वारा इस मामले में कूद पड़ने से बवाल और तेज हो चुका है।

देशद्रोह का आरोप

सूत्रों के अनुसार ताजा घटनाक्रम में नए आतंकी गुट यूनाइटेड लिब्रेशन प्रंट (यूएलएफ) जम्मू कश्मीर ने छात्रों को धमकी व चेतावनी दी है। उन्होंने छात्रों से ४८ घंटों के अंदर अपनी एफआईआर वापस लेने के लिए कहा है। दरअसल इन छात्रों ने पाकिस्तानी क्रिकेट टीम की जीत पर खुशियां मनानेवालों के खिलाफ देशद्रोह का आरोप लगाया था।

गौरतलब है कि टी-२० विश्वकप के मैच में रविवार को हिंदुस्थान के खिलाफ पाकिस्तान की जीत पर जश्न मनानेवाले मेडिकल छात्रों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दो मामले दर्ज किए गए हैं। कश्मीर के आईजी विजय कुमार के अनुसार अधिकारियों ने बताया कि करन नगर स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज और सौरा स्थित स्किम्स के छात्रों के खिलाफ यूएपीए के तहत कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई पाकिस्तान की जीत के बाद घाटी में कई जगहों पर लोगों के जश्न मनाने के वीडियो वायरल के बाद हुई।

उप राज्यपाल से मिला छात्रसंघ

इस कार्रवाई के बाद जम्मू-कश्मीर छात्रसंघ ने उप राज्यपाल मनोज सिन्हा से मानवीय आधार पर यूएपीए के आरोपों को वापस लेने का आग्रह किया है। एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता नासिर खुहमी ने एक बयान में कहा कि छात्रों के खिलाफ यूएपीए के आरोप एक कठोर सजा है, जो उनके भविष्य को बर्बाद कर देगा। उन्होंने कहा कि हम उनके कृत्य को सही नहीं ठहरा रहे हैं लेकिन इसके परिणामस्वरूप उनके करियर की हत्या होगी। उन्होंने कहा कि आरोपों का छात्रों के शैक्षणिक और भविष्य के करियर पर गंभीर परिणाम होंगे।

'दो डोज' लोकल के!

- *आवश्यक सेवा के कर्मचारियों की रियायत खत्म*
- *लोकल ट्रेन में यात्रा के लिए दोनों टीके लेना जरूरी*

मुंबई, वैश्विक कोरोना महामारी से बचाव के लिए घोषित की गई 'ब्रेक दी चेन' मुहिम के अंतर्गत अत्यावश्यक सेवा से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लोकल ट्रेनों में यात्रा की छूट दी गई थी। राज्य सरकार ने नया पैâसला लिया है, जिसमें लोकल ट्रेन में यात्रा के लिए अब अत्यावश्यक सेवा से जुड़े कर्मियों को भी कोरोना वैक्सीन की दो डोज लेना अनिवार्य होगा। मतलब सरकार ने अत्यावश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों को भी तुरंत टीके लगवाने के लिए 'डोज' दे दिया है। उनके लिए भी रियायत खत्म कर दी गई है। अत्यावश्यक सेवा पर विपरीत परिणाम न हो इसलिए चिकित्सा सेवा, दूरसंचार क्षेत्र, गैस आपूर्ति, जलापूर्ति सरकारी-अर्ध सरकारी क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए लोकल ट्रेनों की यात्रा में रियायत दी गई थी। ऐसे कर्मियों ने टीका लिया हो या न लिया हो, इसका विचार किए बिना उन्हें यात्रा पास दिया जा रहा था। राज्य सरकार की ओर से जारी किए गए परिपत्र में कहा गया है कि अब टीकाकरण की शुरुआत हुए काफी समय बीत गया है। टीकाकरण बहुत तेजी से चल रहा है। वैक्सीन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की संस्थाओं के माध्यम से टीके की आपूर्ति हो रही है। ऐसे में अत्यावश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों को भी टीके की दोनों खुराक ले लेनी चाहिए थी। दूसरी खुराक लेकर १४ दिन पूरे हो चुके लोगों को लोकल ट्रेन में यात्रा करने की अनुमति दी गई है। दूसरी खुराक लेने की अनिवार्यता में अब जरूरी सेवा से जुड़े लोगों को भी शामिल किया गया है। अब लोकल ट्रेन में यात्रा के लिए यूनिवर्सल पास उन्हीं को दिया जाएगा, जिन्होंने दोनों खुराक ले ली है। इसी तरह लोकल ट्रेन अथवा पैसेंजर ट्रेन में यात्रा करनेवाले लोगों के लिए भी मासिक, त्रैमासिक, ६ मासिक पास के लिए यही नियम लागू रहेंगे।

चिंताजनक-पिछले एक हफ्ते में तेजी से बढ़े कोरोना के मामले, इन देशों में लगा लॉकडाउन, जानिए भारत की स्थिति?

करीब दो महीने की राहत के बाद दुनिया के तमाम देशों में कोरोना संक्रमण के मामलों में एकबार फिर से बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। हालिया रिपोर्टस के मुताबिक कई देशों में हालात इतनी तेजी से खराब हो रहे हैं कि वहां की सरकारों ने लॉकडाउन का ऐलान कर दिया है। चीन और

रूस के कुछ हिस्सों में ऐसे ही स्थिति देखी गई है। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने अपने हालिया रिपोर्टस में बताया है कि यूरोप में पिछले दिनों कोरोना के कारण हालात तेजी से खराब हुए हैं, यहां पिछले सप्ताह में कोरोनोवायरस के मामलों और इसके कारण होने वाली मौत, दोनों में इजाफा देखा गया है।

स्वास्थ्य एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक यूरोपीय क्षेत्र के 53 देशों में पिछले सप्ताह कोविड-19 के मामलों में 18 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, यहां लगातार चौथे साप्ताहिक कोरोना के मामलों में इजाफा हुआ है। चीन, रूस, सिंगापुर जैसे देशों में भी कोरोना के कारण हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं। आइए आगे की स्लाइडों में जानते हैं कि दुनियाभर में कोरोना के कारण किस तरह से स्थिति में परिवर्तन देखने को मिल रहा है?

रूस और चीन में बढ़ते मामलों के बाद लॉकडाउन

रिपोर्टस के मुताबिक रूस की राजधानी मॉस्को में गुरुवार को कोरोना के दैनिक मामलों में आए भारी उछाल के बाद कुछ हिस्सों में 11 दिनों के लिए गैर-आवश्यक सेवाओं को बंद कर दिया गया है। यूरोप में महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित देश रूस में पिछले कुछ हफ्तों से कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। गुरुवार के आंकड़ों के मुताबिक देश में 40,096 नए मामले सामने आए हैं जबकि कोरोना के कारण 1,159 लोगों की मौत हुई है। चीन ने भी कोरोना के बढ़ते मामलों के बाद देश के कुछ हिस्सों में लॉकडाउन का ऐलान कर दिया है।

ब्रिटेन और सिंगापुर में भी बिगड़ रहे हैं हालात

पिछले कुछ हफ्तों से ब्रिटेन और सिंगापुर में भी कोरोना के मामलों में तेजी से इजाफा देखने को मिला है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक गुरुवार को ब्रिटेन में कोविड-19 के 39,842 नए मामले दर्ज किए हैं। पिछले 28 दिनों में यहां कोरोना संक्रमित 165 लोगों की मौत हो चुकी है। पिछले सात दिनों में यहां कोरोना के मामलों में 16.2 फीसदी की बढ़ोतरी हुए है। इसी तरह से सिंगापुर में गुरुवार को 3,432 नए मामले सामने आए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में पिछले सात दिनों लगभग 513,000 नए मामलों ने स्वास्थ्य विभाग को चिंता में डाल दिया है।

भारत में कैसे हैं हालात?

भारत में भी पिछले दिनों कोरोना के कारण होने वाली मौतों की संख्या में उछाल देखने को मिला है। पिछले 24 घंटे में देश में 14,348 नए मामले सामने आए हैं जबकि 805 लोगों की मौत हुई है, वहीं इससे पिछले दिन मृतकों की संख्या 733 थी। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में आंशिक रूप से गैर-आवश्यक सेवाओं को बंद करने का फैसला किया गया है। भारत में सबसे प्रभावित राज्य केरल और महाराष्ट्र हैं।

टीकाकरण की क्या है स्थिति?

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कोरोना के बढ़ते मामलों और टीकाकरण की रफ्तार को लेकर चिंता जताई है। संगठन ने गुरुवार को कहा कि केवल पांच अफ्रीकी देश अपनी 40 फीसदी आबादी को कोविड के खिलाफ पूरी तरह से टीकाकरण के लक्ष्य को पूरा करने में सफलता की ओर हैं। भारत में फिलहाल टीकाकरण की स्थिति सुखद है, यहां 104 करोड़ से अधिक लोगों का टीकाकरण हो चुका है।

नोट: यह लेख कई मेडिकल

हिमाचल-कुल्लू में बड़ा हादसा, राफ्ट पलटने से दो महिला पर्यटकों की मौत, चार घायल

कुल्लू जिला मुख्यालय से छह किलोमीटर दूर बाशिंग के पास ब्यास नदी में एक राफ्ट पलटने से दो महिला पर्यटकों की मौत हो गई है।

राफ्ट में सवार चार अन्य पर्यटक महिलाएं घायल हो गई हैं। घायलों का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने केस दर्जकर छानबीन शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार कुल्लू-मनाली घूमने के लिए आईं मध्यप्रदेश और मुंबई की महिला सैलानी बबेली स्थित राफ्टिंग साइट से एक राफ्ट में सवार हुईं। दोपहर बाद बाशिंग के छुरुडू के पास महिला सैलानियों से भरी राफ्ट अनियंत्रित होकर बीच नदी में पलट गई और महिलाएं ब्यास नदी के बहाव में बह गईं। राफ्ट पलटने के बाद रेस्क्यू दल ने महिलाओं को पानी से निकाला और कुल्लू अस्पताल पहुंचाया।दो महिला पर्यटकों की हालत ज्यादा बिगड़ गई और उन्होंने जिला अस्पताल कुल्लू में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक महिलाओं की पहचान रुकिया दाहोद वाला (75) पत्नी गुलाम अब्बास निवासी कॉटन ग्रीन मुंबई तथा साकेरा बॉम्बे वाला (53) पत्नी शरबीर हुसैन बॉम्बे वाला निवासी 385 मुरानी नगर इंदौर, मध्यप्रदेश के रूप में हुई है।घायलों में मरियम पत्नी जैनुद्दीन इंदौर, नफीसा पत्नी फिरोज इंदौर, रसीदा पत्नी कुतुबदीन तुरला इंदौर और तसनीम पत्नी खेरीवाला निवासी कौटन ग्रीन शामिल हैं। घायल महिलाओं में एक की हालात गंभीर बताई जा रही है। एसपी गुरदेव शर्मा ने कहा कि केस दर्जकर छानबीन शुरू कर दी गई है।

एक्टर का निधन-कन्नड़ स्टार पुनीत राजकुमार की वर्कआउट के दौरान हार्ट अटैक से मौत, कर्नाटक में धारा 144, सभी थिएटर बंद

कन्नड़ फिल्म एक्टर पुनीत राजकुमार का जिम में वर्कआउट के दौरान दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। हार्ट अटैक के तुरंत बाद 46 साल के पुनीत को बेंगलुरु के विक्रम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके निधन से पूरे कर्नाटक में शोक की लहर है। राज्य में सभी थिएटर बंद किए जा रहे हैं। फैंस को काबू में करने के लिए कई इलाकों में धारा 144 लागू की गई है। कर्नाटक के CM बसवराज बोम्मई भी अस्पताल पहुंचे थे। पुनीत के पिता राजकुमार साउथ इंडियन सिनेमा के आइकॉन थे। वे कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री के पहले एक्टर थे, जिन्हें दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड मिला था। चंदन तस्कर वीरप्पन ने जुलाई 2000 में तमिलनाडु से उनका अपहरण कर लिया था। पुनीत ने अपने करियर की शुरुआत एक चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में की थी, वे राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित हो चुके थे।राम गोपाल वर्मा ने दी श्रद्धांजलि फिल्म डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'पुनीत राजकुमार की आकस्मिक मृत्यु एक ट्रैजडी है।

KAANT FOODS®
Every Day... Every Time...
PREMIUM QUALITY
• Cholesterol Free
• 0% Trans Fat
• 100% Roasted
100% WHEAT MADE KHAKHRA & BHAKHRI
Palak(Spinach), Kothamir(Coriander), Black Til, Moong Masala, Ratlami, Methi, Plain, Masala, Jira(Cumin), Manchuriyan, Phudina Panipuri(Mint), Pav Bhaji, Punjabi, Tomato, Cheese, Garlic, Chinese King, Meggi Masala, Chat Masala.
Manufactured By : KAANT FOODS®
20, Sarvodaya Society, Nr. Umiya Dham Temple, Surat - 395006, Gujarat, India. Mo. : +91 98257 70072
Web : www.kaantfoods.com
E-mail : kaantfoods@gmail.com
fssai Lic No. 20718031001190

KCF PRESENTS
BOLLYWOOD LEGEND AWARD - 2021
FOUNDER & DIRECTOR Dr. KRISHNA CHOUHAN 8169036309
12th December 2021 at 6:00 pm. to 10 pm.
Mayor's Hall, Near. BMW Showroom Juhu Line, Andheri West, Mumbai- 58.
3rd YEAR'S
www.krishnachouhanfoundation.com
Media Partner :-

दीवाली की हार्दिक शुभकामनाएं
Hardik Jani (DJ Bass Throb) 9825600770
Chandni Prajapti (Bollywood Singer) 9879388399
DWARKESH RECORDING STUDIO
The Complete Music Solution
Dwarkesh", 3-Labhdeep Soceity, Opp. HP Petrol Pump, Ramdevpeer Chowkdi, 150 ft. Ring Road, RAJKOT-360 007.

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।